विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | शहडोल, गुरुवार, 26 जून 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 182 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

ज्ञानामृत

वह पुरुष धन्य है जो काम करने में कभी पीछे नहीं हटता, भाग्यलक्ष्मी उसके घर की राह पूछती हुई चली आती है।

▶▶ भगवान महावीर

न्यूज इन शॉर्ट

अब सिर्फ दो बार ही सुनाई देगी अमिताभ बच्चन की "आवाज"

नई दिल्ली, एजेंसी। यदि आप भी अमिताभ बच्चन की आवाज में साइबर कॉलर ट्यून दिनभर सुन सुनकर परेशान हो गए हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। अब साइबर कॉलर ट्यून एक दिन में सिर्फ दो ही बार बजेगी और सबसे खास बात यह है कि यदि इमरजेंसी कॉल जैसे एंबुलेंस आदि को कॉल करने पर यह साइबर कॉलर ट्यून नहीं बजेगी। गृह मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (IyC) के आधिकारिक ट्विटर/एक्स हैंडल 'सायबर दोस्त' ने कॉलर ट्यून को लेकर जानकारी दी है। बता दें कि देश में बढ़ते डिजिटल अपराधों को लेकर आमजन को सतर्क करने हेतु टेलीकॉम कंपनियों द्वारा एक साइबर सुरक्षा सूचना कॉलर ट्यून के रूप में जोड़ी गई है, लेकिन हर कॉल से पहले इस ट्यून के बजने के कारण लोग काफी परेशान हो गए थे।

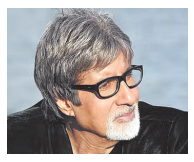

चुनाव आयोग का ईसीआईनेट चालू 72 घंटे के अंदर इंडेक्स कार्ड जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने केरल, गुजरात, पंजाब और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों पर हाल ही में संपन्न हुए उपचुनावों में अपने नए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआईनेट का परिचालन सफलता पूर्वक शुरू कर दिया है और यह आने वाले दिनों में पूरी तरह चालू होगा। यह जानकारी आयोग की बुधवार को एक विज्ञप्ति में दी गयी। आयोग ने इस साल चार मई को ईसीआईनेट नामक से एक नए वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म के विकास की घोषणा की थी, जिसमें विभिन्न हितधारकों के लिए आयोग द्वारा परिचालित 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशन एकीकृत किए गए हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि हाल के उप चुनावों में ईसीआईईनेट के कुछ मॉड्यूल का सफल कार्यान्वयन देखा गया, जो आने वाले हफ्तों में पूरी तरह से चालू हो जाएगा।

निफ्ट यूजी और पीजी एडमिशन के लिए काउंसलिंग रजिस्ट्रेशन शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (NIFT) में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट कोर्सेस में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा निफ्ट 2025 के परिणाम 22 जून को घोषित किए गए, जिसके बाद अब ऑनलाइन काउंसलिंग और सीट अलॉटमेंट का रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। ऑनलाइन काउंसलिंग के लिए पंजीकरण 24 जून से 1 जुलाई 2025 तक चलेगा। योग्य उम्मीदवार nift.admissions.nic.in पर जाकर अपने रोल नंबर और पासवर्ड के जरिए लॉगिन कर फॉर्म भर सकते हैं। निफ्ट 2025 स्टेज 1 परीक्षा के लिए कुल 17,974 यूनिक कैंडिडेट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था और 31,061 टेस्ट एंट्रीज दर्ज की गईं।

शेयर बाजार में लौटी हरियाली सेंसेक्स 700 अंक उछला

मुंबई, एजेंसी। ईरान और इस्राइल के बीच संघर्ष विराम के बाद बुधवार को 2025 के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ भारतीय बाजार। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में करीब 1 फीसदी की तेजी आई। पिछले दिन की तेजी को जारी रखते हुए 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 700.40 अंक या 0.85 प्रतिशत उछलकर 82,755.51 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 760.8 अंक या 0.92 प्रतिशत बढ़कर 82,815.91 अंक पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 200.40 अंक या 0.80 प्रतिशत बढ़कर 25,244.75 अंक पर बंद हुआ। बीएसई के क्षेत्रीय सूचकांकों में आया उछाल बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक में 1.59 प्रतिशत तथा मिडकैप सूचकांक में 0.63 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

पीएम मोदी ने 'द इमरजेंसी डायरीज' में बयां किया आपातकाल का अपना सफर

आपातकाल में कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद कर प्रेस की आजादी छीनी : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर इसे देश के लोकतांत्रिक इतिहास का 'सबसे काला अध्याय' और 'संविधान हत्या दिवस' बताया और आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों को सलाम किया। मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक, आपातकाल लागू होने के 50 साल पूरे हो गए हैं। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। इस दिन, भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस की आजादी को खत्म कर दिया गया और कई राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया। ऐसा लग रहा था जैसे उस समय सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'द इमरजेंसी डायरीज' में आपातकाल के वर्षों के दौरान मेरी यात्रा का वर्णन है। इसने उस समय की कई यादें ताज़ा कर दीं। मोदी ने कहा, मैं उन सभी लोगों से अपील करता हूँ जो आपातकाल के उन काले दिनों को याद करते हैं या जिनके परिवारों ने उस दौरान कष्ट झेले हैं, वे अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा करें। इससे युवाओं में 1975 से 1977 तक के शर्मनाक समय के बारे में जागरूकता पैदा होगी। उन्होंने आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों को सलाम किया, जिनकी सामूहिक लड़ाई ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करने और चुनाव कराने पर मजबूर किया।

भोपाल में भाजपा कार्यालय में बनी प्रतीकात्मक जेल

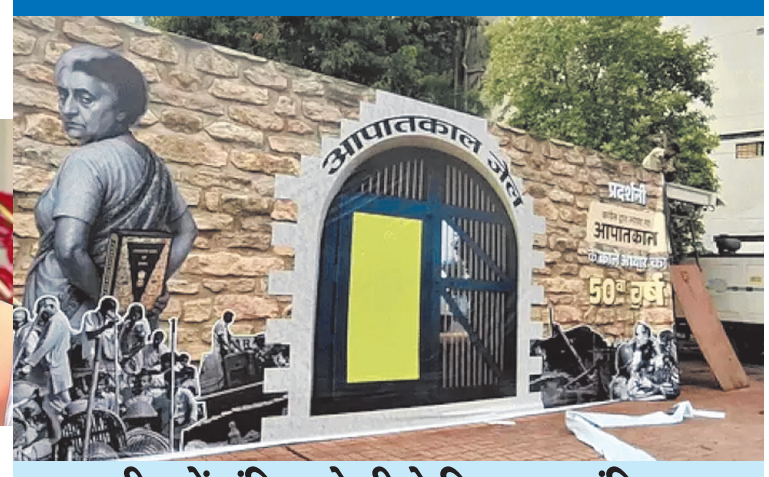

तस्वीर में इंदिरा ने पीछे छिपाया संविधान

विजय मत, भोपाल। भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में एक प्रतीकात्मक जेल बनाई गई है। प्रतीकात्मक जेल के सामने इंदिरा गांधी की फोटो लगाई है। इस फोटो में इंदिरा गांधी संविधान को अपने हाथों में पीछे छिपाए हुए नजर आ रहीं हैं। दूसरे तरफ लिखा है- कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल के काले अध्याय का 50वां वर्ष। इसके साथ ही भाजपा कार्यालय में एक प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसमें आपातकाल के दौरान किए गए संविधान संशोधनों को समझाया गया है। प्रदर्शनी में राजनाथ सिंह, अरुण जेटली, जॉर्ज फर्नांडिस, लाल कृष्ण आडवाणी और अटल बिहारी वाजपेयी के साथ आपातकाल में किए गए दुर्व्यवहार और जेल के अनुभवों को बताते हुए पोस्टर लगाए गए हैं।

आपातकाल की बरसीं पर बोले सीएम मोहन

लोकतंत्र की रक्षा के लिए मीसाबंदियों का संघर्ष स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारियों जैसा

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश में आपातकाल लागू किए जाने की 50वीं बरसी पर कहा है कि गणतंत्र की रक्षा के लिए जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित सभी देशभक्तों ने आपातकाल के संघर्ष में कुर्बानी दी है। इसी का प्रतिफल है कि आज दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र सुरक्षित है। भारत में संघ परिवार ने लोकतंत्र की पुनर्स्थापना का कार्य किया है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, हमारे मार्गदर्शक लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह तथा श्रद्धेय मोरारजी देसाई सहित विपक्ष के सभी नेताओं ने एक स्वर में आपातकाल का विरोध करते हुए लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया। यह स्वाधीनता संग्राम में क्रांतिकारियों द्वारा किए गए संघर्ष और बलिदान की याद दिलाता है। इसीलिए सभी मीसाबंदियों को लोकतंत्र सेनानी नाम मिला है। उन्होंने कहा कि एशिया में लोकतंत्र कहीं बचा है तो उसमें जनता पार्टी सहित विपक्षी नेताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उल्लेखनीय है कि 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लागू किया गया था। इसे लोकतंत्र के लिए काला दिन माना जाता है।

अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय एस्ट्रोनॉट बने शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने अंतरिक्ष की दुनिया में इतिहास रच दिया है। लखनऊ के रहने वाले शुभांशु शुक्ला ने बुधवार को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन की ओर उड़ान भरकर भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम में 41 साल बाद वापसी कराई। वह अमेरिका की प्राइवेट कंपनी एक्सिओम मिशन के तहत अंतरिक्ष में गए हैं। इस मिशन में भारत के अलावा हंगरी और पोलैंड के अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट ने बुधवार दोपहर 12 बजकर 01 मिनट पर फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी। रॉकेट ने जैसे ही अंतरिक्ष में प्रवेश किया, भारत समेत दुनियाभर में इस ऐतिहासिक पल का जश्न शुरू हो गया।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने दी शुभकामनाएं

राष्ट्रपति ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा, "इस मिशन की सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं, जो नासा और इसरो के बीच स्थायी साझेदारी को दर्शाती है। चालक दल द्वारा किए जाने वाले व्यापक प्रयोगों से वैज्ञानिक अध्ययन और अंतरिक्ष अन्वेषण की नई सीमाएं सामने आएंगी। वहीं पीएम मोदी ने भी शुक्ला को बधाई दी और उन्हें और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को सफलता की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, "हम भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत करते हैं।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉल कर कतर से स्वदेश लौटीं मनीषा से जानी कुशलक्षेम, बोले-

राज्य सरकार बहन-बेटियों की हर संभव मदद के लिए तत्पर

विजय मत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इजरायल-ईरान युद्ध के चलते कतर से वापसी के लिये रह गई उज्जैन निवासी श्रीमती मनीषा भटनागर की सकुशल स्वदेश वापसी के बाद उनसे वीडियो कॉल पर चर्चा कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार बहन-बेटियों को हर संभव मदद देने के लिए तत्पर है। श्रीमती भटनागर ने उज्जैन वापसी के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार माना। उन्होंने कहा कि कतर से भारत लौटने में प्रदेश सरकार का भरपूर सहयोग मिला। संकट के क्षणों में पूर्ण विश्वास था कि देश और प्रदेश की सरकार हमारी चिंता कर रही है और हम निश्चित ही सुरक्षित स्वदेश लौटेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीमती भटनागर से एयरलाइंस में उनके कामकाज की जानकारी भी ली। उल्लेखनीय है कि श्रीमती भटनागर कतर एयरवेज में सीनियर केबिन क्रू हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनकी सकुशल वापसी के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से सहयोग के लिए अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के संबंधित अधिकारियों को केंद्र सरकार के संपर्क में रहते हुए श्रीमती भटनागर की सकुशल स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे।

ट्रंप ने अमेरिकी खुफिया विभाग की रिपोर्ट को बताया झूठा

अमेरिकी हमले में बच गया ईरान का परमाणु कार्यक्रम

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन रिपोर्ट्स को झूठा बताया है, जिनमें दावा किया गया है कि अमेरिकी हवाई हमले में ईरान के परमाणु केंद्र पूरी तरह से तबाह नहीं हुए हैं। दरअसल अमेरिकी सरकार के खुफिया विभाग डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसी (DIA) ने अपनी रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि अमेरिकी हमले में ईरान का परमाणु कार्यक्रम बच गया है और ये पूरी तरह से तबाह नहीं हुआ है बल्कि सिर्फ कुछ महीने के लिए पीछे हो गया है। डीआईए की रिपोर्ट की जानकारी अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन ने दी है। हालांकि ट्रंप ने इसे झूठी खबर बताकर खारिज कर दिया। ट्रूथ सोशल पर लिखे एक पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप ने लिखा कि झूठी खबर, सीएनएन असफल हो रहे न्यूयॉर्क टाइम्स के साथ मिलकर इतिहास के सबसे सफल सैन्य अभियान को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। ईरान के परमाणु केंद्र पूरी तरह से तबाह हो गए हैं।

अमेरिकी हमलों में परमाणु केंद्रों को बड़ा नुकसानः ईरान

अमेरिकी हमले में हुए नुकसान की ईरान ने पुष्टि की है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने बुधवार को बताया कि, 22 अप्रैल को हुए अमेरिकी हमलों में देश के परमाणु प्रतिष्ठानों को "बुरी तरह से नुकसान" पहुंचा है। नुकसान के बारे में बाघई ने विस्तार से बताने से इनकार कर दिया, लेकिन स्वीकार किया कि रविवार को अमेरिकी बी-2 बमवर्षकों द्वारा बंकर-बस्टर बमों का उपयोग करके किए गए हमले बहुत तीव्र थे। उन्होंने कहा, "हमारे परमाणु प्रतिष्ठानों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा है।

2026 से साल में दो बार होगी 10वीं की बोर्ड परीक्षाः CBSE

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीएसई ने 2026 से साल में दो बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दी। यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने दी है। सीबीएसई कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं वर्ष में दो बार आयोजित करेगा। पहला चरण फरवरी में आयोजित किया जाएगा और दूसरा चरण मई में होगा। कक्षा 10 के छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षा के पहले चरण में उपस्थित होना अनिवार्य, दूसरा चरण वैकल्पिक रहेगा। आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा। इस फैसले के बाद छात्रों को अपने अंकों में सुधार का मौका मिल पाएगा। यदि किसी छात्र के अंक पहले चरण में कम रह जाते हैं, तो वह दूसरे चरण में अच्छा प्रदर्शन करके सुधार कर सकेगा। बोर्ड ने इसे नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुशंसित एक कदम बताया है।

खुफिया एजेंसियों ने किया खुलासा

अमेरिका तक परमाणु हमला करने वाली मिसाइल बना रहा पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की सेना बेहद गुप्त तरीके से परमाणु हमला करने में सक्षम इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) विकसित कर रही है। यह मिसाइल अमेरिका तक पहुंच सकेगी। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने यह खुलासा किया है। फॉरेन अफेयर्स की यह रिपोर्ट उन रिपोर्टों के बीच आई है, जिनमें कहा गया है कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान चीन की मदद से अपने परमाणु हथियारों के भंडार को अपग्रेड करने पर विचार कर रहा है। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि पाकिस्तान ऐसी मिसाइल विकसित कर लेता है तो अमेरिका उसे अपना परमाणु विरोधी घोषित कर देगा। ऐसा देश जिसके पास परमाणु हथियार हो और वह अमेरिका के लिए संभावित खतरा हो तो उसे परमाणु विरोधी माना जाता है। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, यदि पाकिस्तान को ICBM मिल जाता है तो वाशिंगटन के पास उसे परमाणु विरोधी मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।

संविधान हत्या दिवस के आयोजन पर बोले अजय सिंह

भाजपा को अपने 11 साल के शासन पर "संविधान हत्या काल" मनाना चाहिए

विजय मत, भोपाल

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजयसिंह ने भाजपा द्वारा आज मनाये जा रहे संविधान हत्या दिवस के आयोजन पर कहा है कि इसकी जगह भाजपा को अपने शासनकाल के पिछले ग्यारह साल को लेकर संविधान हत्या काल का आयोजन करना चाहिये। यह एक ऐसा काल रहा है जब लगातार संविधान की हत्या की जाती रही है। गाहे-बगाहे संविधान को बदलने की बात भाजपा कहती रही है। अजयसिंह ने कहा कि आयरन लेडी इंदिरा गाँधी ने तो आपातकाल की बकायदा घोषणा की थी। यानी वह तो घोषित आपातकाल था और वर्तमान में पिछले ग्यारह साल से जनता अघोषित आपातकाल झेल रही है। इस काल में जनता मंहगाई और बेरोजगारी से हलाकान है। किसान रो रहे हैं और आत्महत्या को मजबूर हैं। मणिपुर जल रहा है। सभी पड़ोसी देशों से भारत के संबंध ठीक नहीं चल रहे हैं। जबकि 1915 में घोषित आपातकाल में जनता को कोई कष्ट नहीं था। ट्रेनें समय पर चल रही थी। सभी सरकारी दफ्तर, बैंक आदि समय से लग रहे थे। परीक्षाएं समय पर हो रही थी। कीमतें स्थिर थीं। परेशान तो केवल विपक्षी दल थे जिन्होंने सेना और पुलिस को भड़काकर विद्रोह करवाने की असफल कोशिश की थी।

विजय मत एंकर | टेस्ट ऑफ झाबुआः सचिन चौहान की स्वरोजगार से आत्मनिर्भरता की प्रेरक यात्रा

सपनों को पंख देती मप्र सरकार की भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना

विजय मत, भोपाल

झाबुआ जिले के छोटे से ग्राम किशनपुरी के सचिन चौहान ने अपनी मेहनत, आत्मविश्वास और मध्य प्रदेश सरकार की भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना के सहयोग से न केवल अपनी जिंदगी संवारी, बल्कि जनजातीय युवाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत बन गए। शिक्षित होने के बावजूद बेरोजगारी का सामना कर रहे सचिन ने हार न मानते हुए अपने सपनों को हकीकत में बदला और आज वे टेस्ट ऑफ झाबुआ हॉटल एंड रेस्टोरेंट के मालिक हैं, जो स्थानीय लोगों के लिए स्वाद और आतिथ्य का केंद्र बन चुका है।

सचिन की कहानी उस युवा शक्ति की मिसाल है जिसे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रोजगार संपन्न बनाने की ठानी है। सचिन ने संसाधनों की कमी के बावजूद अपने दृढ़ संकल्प से नई राह बनाई है। झाबुआ जैसे जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र में हॉटल और रेस्टोरेंट की जरूरत को पहचानकर उन्होंने स्वरोजगार का रास्ता चुना। लेकिन सपनों को साकार करने के लिए पूंजी की जरूरत थी। इस चुनौती को पार करने के लिए सचिन ने मध्य प्रदेश आदिवासी वित्त एवं विकास निगम, झाबुआ के कार्यालय का रुख किया। जहाँ उन्हें भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना की विस्तृत जानकारी मिली और हर कदम पर मार्गदर्शन दिया गया। इस योजना के तहत सचिन को भारतीय स्टेट बैंक, राजवाड़ा शाखा, झाबुआ से 15 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से उन्होंने टेस्ट ऑफ झाबुआ हॉटल एंड रेस्टोरेंट की नींव रखी। आज यह हॉटल न केवल स्थानीय लोगों की पसंद बन चुका है, बल्कि सचिन को प्रतिमाह 45,000 से 50,000 रुपये की आय भी हो रही है। इस आय से वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं और अपनी इकाई के जरिए अन्य लोगों को रोज़गार के अवसर भी प्रदान कर रहे हैं। सचिन की सफलता ने आसपास के बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार की ओर प्रेरित किया है, जो अब उनसे प्रेरणा लेकर अपने सपनों को साकार करने का हौसला जुटा रहे हैं। सचिन अपनी इस उपलब्धि का श्रेय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शी योजनाओं और मध्य प्रदेश आदिवासी वित्त एवं विकास निगम के मार्गदर्शन को देते हैं। वे कहते हैं, यह योजना मेरे जैसे युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिसने मुझे आत्मनिर्भर बनाया और मेरे सपनों को पंख दिए।

सफलता की कहानी
विजय मत

भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संचालित भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना जनजाति वर्ग के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का एक प्रभावी मंच है। इस योजना के तहत 18 से 45 वर्ष की आयु के युवा, जो न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण हों, आवेदन कर सकते हैं। योजना के अंतर्गत सेवा अथवा व्यवसाय के लिए राशि 1 लाख से 25 लाख रुपये तक तथा निर्माण इकाई के लिए राशि 1 लाख से 50 लाख रुपये तक का ऋण विभिन्न बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। यह योजना न केवल आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देती है, बल्कि जनजातीय समुदायों के युवाओं को उनके कौशल और उद्यमिता के बल पर समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने में मदद करती है।

कार्यालयः भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़ ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई

न्यूज इन शॉर्ट

जिले में 1047728 हितग्राहियों का ई केवाईसी हुआ अपडेट

रीवा। खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित सभी हितग्राहियों के ई केवाईसी अपडेशन का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश ताडेकर ने बताया कि जिले में खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित परिवारों के 11 लाख 99 हजार 962 सदस्य राशन मित्र पोर्टल पर दर्ज हैं। इनमें से 27976 अपात्र तथा मृत हितग्राहियों के नाम एम राशन मित्र पोर्टल से हटाने की कार्यवाही ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों द्वारा की जा रही है। अब तक 1047728 सदस्यों की ईकेवाईसी अपडेशन का कार्य किया जा चुका है। शेष बचे हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेशन का कार्य 30 जून तक पूरा कर लिया जाएगा। ई केवाईसी कराने के लिए उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन पीओएस मशीन के माध्यम से हितग्राहियों का ई केवाईसी अपडेट कर रहे हैं। ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक और नगरीय क्षेत्रों में वार्ड प्रभारी भी ई केवाईसी अपडेट कर रहे हैं। एप के माध्यम से हितग्राही को स्वयं ई केवाईसी दर्ज कराने की भी सुविधा दी गई है। इसके अलावा कॉमन सर्विस सेंटर तथा मोबाइल ऐप में भी ई केवाईसी अपडेशन की सुविधा उपलब्ध है। जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश ताडेकर ने बताया कि 25 जून तक जिले में 10 लाख 47 हजार 728 हितग्राहियों की ई केवाईसी की जा चुकी है। यह कुल हितग्राहियों का 87.3 प्रतिशत है। जिसमें जनपद पंचायत गंगेव में 134978, जवा में 129664, रायपुर कर्चुलियान में 167683, रीवा में 168520, सिरमौर में 181683, त्योंथर में 123440 हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेट की जा चुकी है। नगरीय निकायों में नगर निगम रीवा में 68536, नगर परिषद डभौरा में 13323, बैकुण्ठपुर में 6074, चाकघाट में 5790, गोविंदगढ़ में 7149, गुढ़ में 9061, मनगवां में 7340, सेमरिया में 8695, नगर परिषद सिरमौर में 5927 तथा नगर परिषद त्योंथर में 9465 हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेट की जा चुकी है।

ग्राम रोजगार सहायकों को नोटिस जारी

रीवा। ग्रामीण विकास कार्यों में लापरवाही बरतने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने तीन ग्राम रोजगार सहायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। प्रधानमंत्री आवास में न्यून प्रगति पर ग्राम रोजगार सहायक अकौरी विनय गौतम एवं बेलवा बड़गैयान के सौरभ द्विवेदी को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी प्रकार नरेगा के कार्यों में लापरवाही बरतने पर ग्राम पंचायत बेलवा कुर्मियान के ग्राम रोजगार सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

जिले में अब तक 107.7 मिली मीटर वर्षा दर्ज

रीवा। जिले में 25 जून को 22.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक 42 मिलीमीटर वर्षा गुढ़ तहसील में दर्ज की गई। इस दिन रायपुर कर्चुलियान में 31 मिमी, सिरमौर में 28 मिमी, सेमरिया में 32 मिमी तथा मनगवां में 30 मिमी वर्षा दर्ज की गई। जिले में एक जून से अब तक 107.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस संबंध में अधीक्षक भू-अभिलेख महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक तहसील हुजूर में 111.5 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 72.5 मिलीमीटर, गुढ़ में 147 मिलीमीटर, सिरमौर में 169.6 मिलीमीटर, त्योंथर में 45 मिलीमीटर, सेमरिया में 150 मिलीमीटर, मनगवां में 92 मिलीमीटर तथा जवा में 74 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज गयी। गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 26.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी थी। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1044.6 मिलीमीटर है।

30 जून से 01 अक्टूबर तक जिल में संचालित रेत खदानों में रेत उत्खनन पर रहेगा प्रतिबंध

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मानसून सीजन में 30 जून से 01 अक्टूबर तक जिल में संचालित रेत खदानों में रेत उत्खनन पर रोक लगाने संबंधी आदेश जारी किया है। जारी आदेश में शहडोल जिले में स्थित नदियों से 30 जून 2025 से 01 अक्टूबर 2025 तक रेत खनन पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।

टीएल बैठक स्थगित

रीवा। कमिश्नर कार्यालय में 26 जून को दोपहर 2 बजे से आयोजित होने वाली टीएल बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गयी है।

मुख्य बाजार में नालियों का ओवरफ्लो बना मुसीबत

तेज बारिश के बाद सड़कों पर बहा गंदा पानी, नागरिकों ने नगर पालिका पर जताया रोष

विजय मत, शहडोल

नगर में बुधवार सुबह हुई तेज बारिश ने शहर की सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी। कुछ घंटों की बारिश के बाद ही इंदिरा चौक से गांधी चौक, बाईपास मार्ग, पटेल नगर, पांडव नगर सहित कई क्षेत्रों में नालियां ओवरफ्लो हो गईं। इससे सीवर का गंदा पानी सड़कों पर बहने लगा, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

गंदे पानी से खराब हुए कपड़े, उठी बदबू

मुख्य बाजार क्षेत्र में बहते सीवर के पानी के कारण लोगों के कपड़े खराब हो गए। दुकानदारों ने बताया कि ग्राहकों की आवाजाही में भी गिरावट आई, क्योंकि बदबूदार पानी और फिसलन के कारण लोग बाजार आने से बचते रहे। नागरिकों का कहना है कि यह नगर पालिका की लापरवाही का नतीजा है, जो हर वर्ष बरसात में सामने आता है।

घर तक पहुंचा सीवर का पानी

कई लोगों ने बताया कि नाली ओवरफ्लो के कारण पानी उनके घरों तक पहुंच गया। पटेल नगर में स्थिति ज्यादा गंभीर रही। एक स्थानीय निवासी ने कहा हर साल बरसात में यही हाल होता है। पार्षद को कई बार शिकायत की, लेकिन सफाई कर्मी केवल औपचारिकता निभाकर चले जाते हैं।

स्थायी समाधान न होने पर उठे सवाल

नागरिकों का कहना है कि अगर रोजाना नालियों की सफाई हो रही है, तो बारिश के बाद यह स्थिति क्यों बनती है? नालियों की नियमित जांच और सफाई की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। लोगों ने मांग की कि नगर पालिका इस बार स्थायी समाधान निकाले, जिससे हर साल होने वाली परेशानी से मुक्ति मिले।

नगरपालिका की चुप्पी पर नाराजगी

शहरवासियों ने नगर पालिका की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं।
लोगों का कहना है कि नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लेने नहीं आते, जिससे उनकी कार्यशैली पर संदेह गहराता है।

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया गया

विश्वविद्यालय मे आयोजित किए गए डिवेट व्याख्यान के कार्यक्रम तथा लघु फिल्म का किया गया प्रदर्शन

विजय मत, शहडोल

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ को संविधान हत्या दिवस के रूप में शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के सभागार में मनाया गया। इस अवसर पर डिवेट व्याख्यान माला एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। भारत सरकार के संस्कृत मंत्रालय द्वारा निर्मित लघु फिल्म तथा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में सोहागपुर के अनुविभागीय अधिकारी (एस.डी.एम.) अरविंद शाह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम सरस्वती पूजन कुलगुरु एवं मुख्य अतिथि जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के पूर्व एक रैली का अयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने संविधान की संरचना, उसकी महत्ता तथा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इसकी रक्षा हेतु युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा भारत का लोकतंत्र बहुत मजबूत है, यह न केवल संस्थानों पर आधारित है, बल्कि नागरिकों की आस्था, भागीदारी और विवेक पर भी निर्भर करता है। हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत हमारी जनता है, जो जागरूक है, मतदान करती है, सवाल पूछती है, और संविधान की रक्षा करती है। 'जब तक नागरिक जागरूक हैं, तब तक भारत का लोकतंत्र अटूट रहेगा'।

कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. चेतना सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजनीति शास्त्र विभाग की डॉ. पूर्णिमा शर्मा सहित संकाय के अन्य शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही।

मुख्य अतिथि अरविंद शाह ने संविधान के मूल तत्वों की रक्षा एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की आवश्यकता पर जोर दिया। संवैधानिक प्रावधानों में आपातकाल कारणों और परिणामो से अवगत कराया। भारतीय संविधान निर्माताओ की दूर दृष्टि का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को लोक तंत्र का सजग प्रहरी बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में डीन भाषा विज्ञान विभाग प्रो. विनोद कुमार शर्मा, प्रो.मनीषा तिवारी, प्रो. अनिल गुप्ता, डॉ. जितेन्द्र सेन, डॉ. शुभम यादव, डॉ. सिद्धार्थ मिश्रा, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. नीलेश शर्मा, डॉ. सुषमा नेताम, डॉ. संतोष पुरी डॉ. कात्यायनी शुक्ला, डॉ. गोविन्द पाण्डेय, सुश्री प्रिंसी सिन्हा, आशुतोष तिवारी, सुश्री निशा एवं एनसीसी एनएसएस के कैडेटस एवं समस्त विभागों के छात्र उपस्थित रहे ।

बजरंग दल की बाबा बुढ़ा अमरनाथ चट्टानी साहसिक शौर्य यात्रा 29 जुलाई को होगी रवाना

विजय मत, शहडोल

बजरंग दल शहडोल विभाग संयोजक जय सिंह तोमर ने बजरंग दल द्वारा आतंकवादियों की आतंकी चुनौतियों को 1996 से प्रतिवर्ष उत्तर देती हुई जम्मू कश्मीर में रहने वाले अल्पसंख्यक हिंदू और पूंछ क्षेत्र के 2त्न हिंदूओ के मान सम्मान और मनोबल बढ़ाने के लिए बजरंग दल की बाबा बुढ़ा अमरनाथ साहसिक शौर्य यात्रा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 29 जुलाई 2025 को ट्रेन क्रमांक 11449 (JBP SVDK EXP) से महाकौशल प्रांत जबलपुर से सुबह 6ः00 जम्मू के लिए प्रस्थान करेगी।

बाबा बुढ़ा अमरनाथ साहसिक शौर्य यात्रा में बजरंग दल के युवाओं के साथ-साथ पूर्ण हिंदू समाज एव प्रत्येक वर्ग के वरिष्ठजन माताएंट्ठ बहने सपरिवार अपने इष्ट मित्रों के साथ यात्रा में सम्मिलित होकर जम्मू में रहने वाले हिंदुओं का मनोबल और बाबा बुढा अमरनाथ के दर्शन कर सकते हैं।

ट्रेन टिकट रिजर्वेशन शुल्क (चार्ज) आने जाने का स्वयं का रहेगा, 31 जुलाई भगवती कैंपस से 2 अगस्त बड़ा बाबा बुढ़ा अमरनाथ दर्शन तक के भोजन एवं आवास की व्यवस्था संगठन एवं वहां के हिंदू समाज की रहती है।

ट्रेन का रिजर्वेशन तत्काल या 10 जुलाई से पूर्व करना है और अगर टिकट कंफर्म नहीं होता है तो टिकट का पी.डी.एफ छाया प्रति 10 जुलाई के पूर्व जिला यात्रा प्रभारी को दें ताकि प्रांत से बातचीत कर टिकट कंफर्म कराई जा सके वोटर आईडी, आधार कार्ड रखना अनिवार्य है अनूपपुर, शहडोल, उमरिया से यात्रा 28 जुलाई 2025 को अमरकंटक सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन क्रमांक 12853 से रात्रि 11 बजे अनूपपुर से, 12ः30 बजे शहडोल से, 1ः30 बजे उमरिया से कटनी मुड़वारा के लिए प्रस्थान करेगी अगले दिन 29 जुलाई को कटनी मुड़वारा से 7ः20 पर सभी यात्री एकत्रित होकर कटनी से जम्मू के लिए प्रस्थान करेंगे 30 जुलाई को सुबह 10ः30 बजे यात्रा जम्मू पहुंचेगी जहां से सभी यात्री भगवती केंपस के लिए प्रस्थान करेंगे रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन 31 जुलाई की सुबह यात्रा भगवती कैंपस से बस द्वारा बूढ़ा बाबा चट्टानी अमरनाथ के दर्शन के लिए प्रस्थान करेगी।जय सिंह तोमर ने यात्रा का उद्देश्य की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि वैसे तो हजारों वर्षों से कश्मीर की घाटी में चली आ रही पवित्र अमरनाथ यात्रा की भांति पूंछ मंडी में स्थित बूढ़ा बाबा चट्टानी अमरनाथ जी की यात्रा भी सावन मास में होती थी और मान्यता भी यही है कि बाबा बुढ़ा अमरनाथ की यात्रा किए बिना बाबा बर्फानी की यात्रा पूर्ण नहीं मानी जाती किंतु संपूर्ण क्षेत्र में आतंकियों के आतंकी कहर से इस देशभक्ति यात्रा को तहसील और जिले तक सीमित कर दिया गया और कल समय सीमा भी दो-तीन दिन तक ही सीमट कर रह गई इस यात्रा को पुणे प्रतिष्ठित करने का दायित्व राष्ट्रभक्ति हिंदू समाज का है क्योंकि पहले ही 1947 के बंटवारे के समय जम्मू और कश्मीर के बहुत बड़े भूभाग पर पाकिस्तान और चीन ने कब्जा कर रखा है और लगातार आतंकी हमले के कारण कश्मीर की घाटी हिंदू विहीन होती जा रही है अब आतंकियों और देश विरोधियों की योजना कश्मीर की घाटी को हिंदुओं से खाली करने की है आज की स्थिति में राजौरी में 28त्न और पूंछ में लगभग 7 प्रतिशत हिंदू सिख बच्चे हैं नौशेरा, राजौरी, पूछं कि हिंदुओं की सुध लेने व उनका मनोबल बढ़ाने के लिए इस यात्रा को हिंदू समाज और बजरंग दल के माध्यम से पुनः प्रतिष्ठित करने का हमारा राष्ट्रीय उद्देश्य है ।

आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने के कार्यक्रम वर्ष भर आयोजित होंगे : संयुक्त कलेक्टर

विजय मत, रीवा

आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार जिले भर में 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया गया। इस संबंध में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मार्तण्ड क्रमांक एक के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों और विद्यार्थियों को आपातकाल से जुड़ी लघु फिल्म दिखाई गई। कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय ने कहा कि भारत सरकार की अधिसूचना के अनुसार 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में अधिसूचित किया गया है। सरकार के संस्कृति विभाग के निर्देशों के अनुसार 25 जून 2025 से लेकर 25 जून 2026 तक आपातकाल तथा संविधान की हत्या से जुड़े जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आज ही नई दिल्ली में कर्तव्य पथ से जागरूकता के लिए 6 मशालें देश के भ्रमण के लिए रवाना हो रही हैं। सभी राज्यों के प्रमुख शहरों में इनका भ्रमण होगा। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से आमजनता को 1975 में लगाए गए आपातकाल के संबंध में जानकारी दी जाएगी। शिक्षण संस्थाओं में निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, नारा लेखन तथा फोटो प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को इस संबंध में जागरूक किया जाएगा। संयुक्त कलेक्टर ने कहा कि हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। यह देश की न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के गठन तथा

जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आज

रीवा। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में जनसहभागिता और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 जून को आयोजित किया गया है। कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद ने कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबंधितों को उपस्थिति के निर्देश दिये हैं। प्रशिक्षण में संभागान्तर्गत जिलों के कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत तथा अन्य अधिकारी भाग लेंगे।

साखी ग्राम में चल रही अनियमितता के विरुद्ध उच्च न्यायालय में दायर हुई जनहित याचिका

विजय मत, ब्योहारी।

माननीय उच्च न्यायालय में रिट याचिका 17049/2025 जनहित याचिका जो की कमलेश सोनी निवासी साखी के द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में पेश की गई। जिसमें कि ग्राम पंचायत साखी के सरपंच सचिव तथा उप यंत्री के द्वारा रोड बनाने में भ्रष्टाचार करना तथा लगभग शासन को और आमजनता को 50 लाख रुपए की छति पहुंचाना इस आधार पर जनहित याचिका दायर की गई जिसमें माननीय उच्च न्यायालय ने सुनवाई करते हुए सभी उत्तरवादीयो को नोटिस जारी किया है। और इस जनहित याचिका में उन्होंने प्रथम दृष्ट्या पाया कि कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार हुआ है। सरकार की तरफ से अतिरिक्त महाधिवक्ता ने खड़े होकर इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करने के लिए समय लिया 4 हफ्तों बाद यह प्रकरण फिर से सुनवाई में आएगा गौरतलब है कि साखी में जो सड़क निर्माण ग्राम पंचायत साखी के द्वारा जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत की देखरेख में विगत कुछ वर्षों में किया गया उसमें घटिया क्वालिटी की सामग्री का उपयोग कर सड़क निर्माण के आरोप के साथ कई शिकायत जिम्मेदार अधिकारियों कलेक्टर कमिश्नर आदि को किया गया। परंतु उसमे कोई कार्यवाही नहीं की गई तथा भ्रष्टाचारियों को शह दिया गया तथा मिली भगत कर के जिससे कि शासन को लगभग 50 लाख रुपए की छति पहुंची है। जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा ग्राम पंचायत साखी के सचिव सरपंच एवं उपयंत्री के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जा रही थी। तो साखी ग्राम ब्यौहारी के निवासी कमलेश सोनी के द्वारा जनहित याचिका में माननीय उच्च न्यायालय से निवेदन किया गया कि कलेक्टर एवं अन्य जिम्मेदार अधिकारियों को इस बाबत निर्देशित करें कि रोड निर्माण में हुए भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाये याचिकाकर्ता के अधिवक्ता आलोक कुमार गुप्ता ने माननीय उच्च न्यायालय में बहस की मामले में कलेक्टर आदि सभी को नोटिस जारी किया गया है। आगामी सुनवाई 4 हफ्ते बाद माननीय उच्च न्यायालय द्वारा की जावेगी।
। उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने के बाद साखी ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचार की जांच कराई जाकर दोषियों पर क्या कार्रवाई होती है।

समस्या

लोकतंत्र सेनानियों व परिजनों का शाल श्रीफल भेंट कर किया गया सम्मान

आपातकाल की 50वीं बरसी पर भाजपा कार्यालय में प्रदर्शनी, संगोष्ठी का आयोजन

विजय मत, शहडोल।

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णु दत्त शर्मा के निर्देशानुसार एवं भाजपा जिलाअध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा के मार्गदर्शन में आपातकाल के काले अध्याय के 50 वर्ष पूर्ण होने पर जिला स्तरीय विचार संगोष्ठी व संस्मरण प्रदर्शनी एवं लोक तंत्र सेनानी सम्मान समारोह का आयोजन कमला नगर स्थित अटल निलय जिला भाजपा कार्यालय किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री श्री ओमप्रकाश धुर्वे जी एवं मुख्य वक्ता के रूप में श्री रमनोथ सिंह लोकतंत्र सेनानी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता व विषय प्रस्तावित के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा जी ने प्रस्ताव का वाचन किया वही संगोष्ठी कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानी श्री नरेंद्र दुबे एवं कामता प्रसाद गौतम जी ने आपातकाल के समय हुई घटनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की एवं अपने विचार रखें।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने जानकारी देते हुए बताया कि मंचासीन अतिथियों द्वारा पार्टी की परंपराअनुसार कार्यक्रम की शुरुआत में भाजपा के पित् पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी

एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी की छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई ।

इस दौरान कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल के काले अध्याय का 50 वीं बरसी पर संस्मरण प्रदर्शनी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा फीता काटकर किया गया इस दौरान अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया प्रदर्शनी अवलोकन के पश्चात संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ताओं ने अपना उद्बोधन दिया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री श्री ओमप्रकाश धुर्वे एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा जी ने लोकतंत्र सेनानियों मिशाबंधियों का साल श्रीफल भेंट कर इनका किया स्वागत सम्मान मुख्य वक्ता के रूप में पधारे लोकतंत्र सेनानी रामनोथ सिंह, नारायण दास शुक्ला, नरेंद्र दुबे, अरविंद गुप्ता, श्रीमती आशा देवी कटारे पत्नी स्व. कपूर चंद कटारे ,रमेशचंद्र गुप्ता पुत्र विजय गुप्ता, काशीनाथ कटारे पुत्र राजा कटारे जी का शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुख्य अतिथि के रूप में पधारे भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री श्री ओमप्रकाश दुर्गे भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा, मुख्य वक्ता रामनरेश सिंह सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, विधायक श्री शरद कोल जी मंचासीन रहे , कार्यक्रम का सफल संचालन आपातकाल कार्यक्रम के संयोजक वरिष्ठ भाजपा नेता श्री प्रकाश जगवानी जीने किया तो वही आभार व्यक्त अमित गुप्ता बंटी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से लोकतंत्र सेनानी एवं उनके परिजन प्रबुद्धजन भाजपा दाधिकारी वरिष्ठ एवं ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न्यूज इन शॉर्ट

धरती आबा अभियान के तहत विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविर संपन्न

उमरिया। सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग डा पूजा द्विवेदी ने बताया कि धरती आबा जन जातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जन जातीय समुदायो को सशक्त बनाने के लिए 15 जून से जनपद पंचायतों के चयनित ग्रामों में कैंप का आयोजन प्रारंभ हो गया है। उन्होने बताया कि 25 जून को करकेली विकासखंड के ग्राम पंचायत बोदली मे शिविर का आयोजन किया गया जिसमें बोदली, बावलकुंड, कठौतिया, धमनी, करही, कछारी कर्री के ग्रामीण जन शामिल हुए। पाली विकासखंड के ग्राम पंचायत तिवनी में आयोजित शिविर में ग्राम पंचायत तिवनी, बुडना, सुंदरदादर , कुरकुचा के ग्रामीण जन शामिल हुए । मानपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बिजौरी मे आयोजित शिविर में चेचपुर, मल्हार, मरईकला, नेउसी, समरकोइनी , सेहरा के ग्रामीण जन शामिल हुए । उपस्थित जनों को शासन की विभिन्न योजनाओ की जानकारी से अवगत कराया गया । उन्होने बताया कि 26 जून को करकेली विकासखंड के ग्राम पंचायत कोलौनी, मानपुर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत बल्हौड़ में शिविर का आयोजन किया गया है ।

विधानसभा 89 बांधवगढ़ के लिए असेंबली कॉन्सिटीट्यूएंसी कमेटी ऑन एक्सेससिबल इलेक्शन कमेटी का हुआ पुर्नगठन

उमरिया । अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बांधवगढ़ कमलेश नीरज की अध्ययक्षता में असेंबली कॉन्सिटीट्यूएंसी कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन कमेटी का पुर्नगठन किया गया है जिसमें तहसीलदार बांधवगढ़, चंदिया, नौरोजाबाद, बिलासपुर, करकेली, सीईओ जनपद पंचायत करकेली, मुख्य नगर पालिका अधिकारी चंदिया, नौरोजाबाद, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, परियोजना अधिकारी बाल विकास परियोजना उमरिया, करकेली तथा विकासखंड स्रोत केंद्र समन्वयक बीआरसी करकेली सदस्य शामिल है ।

मारपीट करने पर मामला दर्ज

उमरिया। थाना पाली अंतर्गत आरोपी व्दारा फरियादी से गाली गालौज करते हुए मारपीट की गई एवं जान से मारने की धमकी दी गई। जानकारी अनुसार मधु यादव पति शिव प्रसाद यादव उम्र 26 साल की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी शिव प्रसाद यादव पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

जान से मारने की धमकी देने पर मामला कायम

उमरिया। चंदिया थाना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 8 चंदिया मे आरोपियो व्दारा फरियादी से गाली गलौज करते हुए मारपीट की गई एवं जान से मारने की धमकी दी गई। जानकारी अनुसार मोहम्मद रफीक पिता शेख दिलदार उम्र 54 साल की शिकायत पर आरोपी शेख सयूम उर्फ मिंटू, रूबिना बानो , अब्दुल रहमान, जूली अख्तरी पर पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

भाजपा जिला अध्यक्ष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को किया संबोधित

उमरिया। कांग्रेस के द्वारा लगाए गए आपातकाल के विरोध में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने भाजपा कार्यालय भरौली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि 25 जून 1975 कांग्रेस की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के द्वारा लगाए गए आपातकाल को लोकतंत्र के काले दिवस और लोकतंत्र की हत्या का दिवस माना है। लेकिन आज कांग्रेस के लोगों के द्वारा जगह-जगह यह चिल्लाया जाता है और रैलियों के माध्यम से संविधान की दुहाई देते नजर आते हैं जबकि इन्हीं के नेताओं के द्वारा सबसे ज्यादा संविधान का दुरुपयोग किया जाता है इन्हीं के नेता ने आपातकाल की धारा का दुरुपयोग करते हुए देश में अवैध रूप से आपातकाल लगा दिया। जबकि आपातकाल का कानून इसलिए बनाया गया था कि जब देश में बाहरी शक्तियों का खतरा हो या देश किसी बड़े संकट में हो तब आपातकाल लगाया जाता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में पहली बार 1962 में आपातकाल लगा जब चीन ने भारत पर हमला किया था इसके बाद 1971 में जब पाकिस्तान ने हमला किया था तब आपातकाल लगाया गया था। लेकिन 1975 में देश में ऐसी कोई भी स्थिति नहीं थी जिसके कारण आपातकाल लगाया जा सके। लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी अपने निजी स्वार्थ और इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक फैसला के चलते भारत में आपातकाल की घोषणा कर दी। इस दौरान इंदिरा गांधी ने विपक्षी दलों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को कुचलना का प्रयास किया यहां तक मीडिया को भी प्रतिबंधित कर दिया। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब पहली बार प्रधानमंत्री बने तब से वह संविधान की रक्षा के लिए अनेकों कदम उठाए है।

जिला स्तरीय मानीटरिंग कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन का हुआ पुर्नगठन

उमरिया । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मानीटरिंग कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन का पुर्नगठन किया गया है, जिसमें सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह सचिव, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी, उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, जनसंपर्क विभाग परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण सदस्य होगे ।

कांग्रेस पार्टी की इंदिरा गांधी ने अपने व्यक्तिगत लाभ और स्वार्थ चलते देश में आपातकाल की घोषणा की : मनीषा सिंह

कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल के विरोध में भाजपा का कार्यक्रम संपन्न

विजय मत, उमरिया

कांग्रेस के द्वारा लगाए गए आपातकाल के काले अध्याय का 50 वां वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी जिला उमरिया के द्वारा स्थानीय भाजपा कार्यालय भरौली में एक कार्यक्रम किया गया जिसमें भाजपा की प्रदेश मंत्री और जयसिंहनगर की विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, पूर्व सांसद और वरिष्ठ नेता ज्ञान सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष , बांधवगढ़ क्षेत्र के विधायक शिवनारायण सिंह, वरिष्ठ नेता राजेंद्र तिवारी,राकेश शर्मा और मुख्य वक्ता के तौर पर मूलचंद अग्रवाल मौजूद रहे।इस अवसर पर सबसे पहले भारत माता के तैल्य चित्र पर दीप प्रज्वलित और माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री और जयसिंहनगर क्षेत्र की विधायक मनीषा सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की इंदिरा गांधी ने अपने व्यक्तिगत लाभ और स्वार्थ चलते देश में आपातकाल की घोषणा की। आपातकाल लगने के बाद इंदिरा गांधी ने विपक्षी दलों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को जेल में डालने का काम किया। देश के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले मीडिया पर भी प्रतिबंध लगाया गया। इस दौरान उन्होंने पुलिस और प्रशासन से मिलकर लोगों पर अत्याचार और प्रताड़ना किये ऐसी थी कांग्रेस सरकार। लेकिन अब देश और प्रदेश में भाजपा की सरकार है और हमारी सरकार लगातार हर वर्ग के कल्याण और उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में जुटी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने बड़े ही भावुक मन से अपनी आपबीती और उस दौरान हुए प्रताड़ना का जिक्र करते हुए कहा कि आपातकाल के समय वह चौथी या पांचवी के छात्र रहे हैं और उन्हें वह सब कुछ याद है। जब इंदिरा गांधी ने षड्यंत्र करके अवैध रूप से आपातकाल लगाया तब पूरे देश में अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया देशभर से कई स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और विरोधी दलों के नेताओं को गिरफ्तार कर जेल में डाला जाने लगा। श्री अग्रवाल ने बताया कि तब उनके पिता भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक रहे हैं उसे समय उनके घर संघ के प्रचारक आए हुए थे तभी घर पर पुलिस पहुंच गई और पूछताछ करने लगी किसी कदर उन्हें घर के पीछे के रास्ते से निकालना पड़ा यह सब देख उनका मन व्यथित था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के तौर पर अनूपपुर से आए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मूलचंद अग्रवाल ने बताया कि कांग्रेस के द्वारा लगाए गए आपातकाल में वह काफी समय तक जेल में बंद रहे। उनके ऊपर कई संगीन मुकदमे दर्ज किए गए और प्रताड़ना भी दी गई। आज के दिन को सरकार लोकतंत्र के काला दिन के रूप में मना रही है। उन्होंने आपातकाल के बारे में बताया कि आपातकाल कानून इसलिए बनाया गया था कि जब देश में कोई बहुत बड़ा संकट हो विदेशी ताकते हमला कर रही हो, इस दौरान आपातकाल लगाया जा सकता है। जैसे जब चीन ने भारत पर आक्रमण किया था और दूसरा जब 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध हुआ था तब देश पर संकट को देखते हुए आपातकाल लगाया गया था। लेकिन 25 जून 1975 को इंदिरा गांधी ने षडयंत्र पूर्वक अपने निजी स्वार्थ के चलते तत्कालीन राष्ट्रपति से मिलकर देश में आपातकाल लागू कर दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में एलईडी के माध्यम से आपातकाल के दौरान हुए घटनाक्रम से जुड़े टेली फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम को पूर्व सांसद और वरिष्ठ नेता ज्ञान सिंह ने भी संबोधित किया। आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के संयोजक भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र तिवारी ने किया वही कार्यक्रम का सफल संचालन भाजपा नेता सुमित गौतम ने किया। इस अवसर पर भाजपा की पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा नगर पंचायत पाली की अध्यक्ष शकुंतला प्रधान,कैलाश द्विवेदी, दिनेश पांडे रामनारायण पयासी, मंडल अध्यक्ष पाली राधा तिवारी, नगर मंडल अध्यक्ष उमरिया नीतू सिंह, भाजपा नेता सुदामा विश्वकर्मा, बहादुर सिंह, मनीष सिंह, भूरा महराज, राकेश टार्जन, जनपद सदस्य पूजा वेगा, युवा मोर्चा अध्यक्ष अमित सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नाले में फेंका नवजात,कलयुगी मां की करतूत

108 एंबुलेंस ने शिट किया अस्पताल

विजय मत, उमरिया

जिल में मानवता को शर्मशार करने वाली घटना सामने आई है । नौरोजाबाद थाना क्षेत्र के छादा ग्राम में दो दिन के नवजात को कलियुगी मां ने नाले में फेंक दिया है। घटना की जानकारी के पुलिस के माध्यम से नवजात को नजदीकी नौरोजाबाद स्वास्थ्य केंद्र में शिट कर उपचार शुरू किया गया है। जिले के नौरोजाबाद थाना अंतर्गत ग्राम छादा में एक निर्दयी मां की कलियुगी करतूत सामने आई है जिसने अपने दो दिन के नवजात को नाले में फेंक दिया। गांव और आसपास के लोगों ने जब उस नवजात को नाले में पड़ा देखा तब उन्होंने इसको सूचना पुलिस को दी है।पुलिस ने नवजात को उठाकर अस्पताल भेजा है जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है,वहीं इस मामले ने गांव की एक बुजुर्ग महिला ने नवजात को अपने साथ अस्पताल पहुंची है जो मानवता की मिशाल बन गई है। मिली जानकारी के मुताबिक नोरोज़ाबाद थाना अंतर्गत ग्राम बड़ा छादा में एक से दो दिन का नवजात बच्चा संदिग्ध परिस्थिति में बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार, नवजात को गांव के समीप एक नाले में पड़ा देखा गया था,स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और 108 एंबुलेंस की मदद से बच्चे को प्राथमिक उपचार के लिए नौरोज़ाबाद अस्पताल भेजा गया। जानकारी के मुताबिक, नवजात की हालत अत्यंत नाजुक बताई जा रही है,जिसे देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे पाली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर कर दिया है। फिलहाल बच्चे का इलाज जारी है।

करंट लगने से मजदूर की मौत

उमरिया। नौरोज़ाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत करकेली के समीप बन्ना नाला के पास करंट लगने से मजदूर के मौत हो गई । प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतक मजदूर स्थानीय किसी मकान के पीछे स्थित बाड़ी में कार्य कर रहा था, इसी दौरान वह बाड़ी में बिछाए गए बिजली के करंट की चपेट में आ गया। करंट इतना तीव्र था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के वक्त एक अन्य मजदूर भी वहां मौजूद था, लेकिन संयोगवश वह कुछ दूरी पर होने के कारण हादसे से बाल-बाल बच गया।घटना की सूचना मिलते ही नोरोज़ाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक जांच एवं पंचनामा कार्यवाही शुरू कर दी है। घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि करंट जानबूझकर लगाया गया था या यह लापरवाही का नतीजा है।

कांग्रेस ने मनाया रानी दुर्गावती बलिदान दिवस

विजय मत, उमरिया

जिला कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को साहस शौर्य बलिदान की प्रतीक रानी दुर्गावती की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाते हुए उन्हें याद किया । इस अवसर पर कांग्रेस जनों ने प्रातः ९रू00 बजे स्टेशन चौराहा पहुंचकर कार्यक्रम आयोजित कर विरांगना रानी दुर्गावती के प्रतिमा के समक्ष सदर श्रद्धांजलि अर्पित की । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि रानी दुर्गावती एक कुशल शासक और योद्धा थीं , श्री सिंह ने कहा कि रानी दुर्गावती वीरता , साहस शौर्य और देश भक्ति के लिए सदैव जाना जाता रहेगा उन्होंने कहा कि उन्हें भारत के महानतम वीरांगनाओं में से एक माना जाता है उन्होंने देश और राज्य की रक्षा के लिए का युद्ध लड़े और विजय हासिल की। उक्त अवसर पर प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व विधायक अजय सिंह, ठाकुर दास सचदेव, अम्रत लाल यादव, त्रिभुवन प्रताप सिंह, अशोक गोटिया,मों आजाद ,शीशु पाल यादव, राजीव सिंह, निरंजन प्रताप सिंह, उमेश कोल, संदीप यादव, प्रहलाद यादव, अवधेश राय, रमेश साकेत,श्री मती सकुंतला धुर्वे, रामायण वती कोल , गुड़िया साकेत, किशोर सिंह, मंगल सिंह, आदि पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आदर्श महाविद्यालय में संविधान हत्या दिवस की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित

विजय मत, उमरिया

लोकतंत्र जनता द्वारा जनता के लिए जनता का शासन होता है, जब लोकतंत्र में व्यक्तिगत स्वार्थ एवं राजतंत्र की वस्तुनिष्ठता आ जाती है, उसी समय यह शासन कुशासन के रूप में परिवर्तित हो जाता है स उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल के निर्देशानुसार लोकतांत्रिक मूल्य और संवैधानिक नैतिकता के प्रति नई प्रतिबद्धता के अवसर के रूप में 25 जून 2025 को संविधान हत्या दिवस की 50 वीं वर्षगांठ की स्मृति में शासन के निर्देश अनुसार कार्यक्रम का आयोजन किया गया स महाविद्यालय स्तर के कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य डॉ नियाज अहमद अंसारी ,प्रशासनिक अधिकारी श्री रेम सिंह हटिला सहायक प्राध्यापक वाणिज्य एवं कार्यक्रम समन्वय संचालक डॉ राजीव तिवारी की उपस्थिति में आयोजित किया गया । शासन के निर्देश अनुसार 25 जून 2025 से 25 जून 2026 तक 1 वर्ष तक तत्कालीन भारत सरकार के 05वे आम चुनाव से लेकर 06वे आम चुनाव के बीच लागू किए गए 21 माह के आपातकाल में नागरिक स्वतंत्रता का व्यापक निलंबन ,संवैधानिक सुरक्षा उपायों का क्षरण और कार्यकारी शक्ति का केंद्रीकरण के साथ व्यापक उत्पीड़न के दौर को प्रमुख वक्ता डॉ नियाज़ अहमद अंसारी सर एवं डॉ राजेंद्र प्रसाद ने रेखांकित किया स कार्यक्रम के आयोजन में डॉ पिंकी सोमकुमर, डॉअनुपम सिंह,डॉ स्वराज पाल , डॉ हरेंद्र कुमार सहित महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक स्टाफएवं छात्र-छात्रा उपस्थित रहे ।

नशा मुक्त पखवाड़ा के अंतर्गत नशा मुक्ति संबंधी शपथ का आयोजन

कार्यक्रम के दूसरे चरण में स्वामी विवेकानंद कैरियर पर मार्गदर्शन योजना प्रकोष्ठ के अंतर्गत नशा मुक्त भारत पखवाड़ा 12 से 26 जून 2025 के अंतर्गत नशा मुक्ति संबंधी शपथ का आयोजन विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफके लिए किया गया । नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का महाविद्यालय में आयोजन स्वामी विवेकानंद कैरियर प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रभारी श्री शिव कुमार हल्दकार ,सहायक प्राध्यापक इतिहास के नेतृत्व में किया जा रहा है । कार्यक्रम का संचालन डॉ राजीव तिवारी एवं आभार प्रदर्शन श्री रेम सिंह हठीला सहायक प्राध्यापक द्वारा किया गया । नशा मुक्ति संबंधी नशा मुक्त भारत पखवाड़ा कार्यक्रम के विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन में डॉ रिचा तिवारी, डॉ परिणीता त्रिपाठी ,श्रीमती किरण भारती, श्रीमती नीतू नामदेव, डॉ जुगल किशोर ,श्री उदित नारायण, डॉ नवीन उपाध्याय, श्री हरीश शुक्ला, डॉ फरहा नाज़ , डॉ रश्मि साकेत डॉ विष्णु कांत तिवारी ,डॉ वीरेंद्र कुमार, डॉ सत्येंद्र महोबिया ,डॉ रामवृक्षसहित महाविद्यालय के सभी अधिकारी कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने नशा मुक्ति संबंधी शपथ ली ।

दो मोटरसाइकिल की टक्कर, एक की मौत, पांच घायल

विजय मत, सीधी

जिले के कुसमी थाना अंतर्गत ग्राम दुआरी में बुधवार शाम करीब 5ः30 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार दोनों मोटरसाइकिलों में तीन-तीन लोग सवार थे, जिनकी आपस में जबर्दस्त भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि सभी लोगों के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। टक्कर के बाद सभी घायल बेहोशी की हालत में थे, जिन्हें तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से कुसमी अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में शामिल वाहन क्रमांक एमपी 53 एमए 6662 और सीजी 16 सीएम 8308 हैं। मौके पर कुसमी थाना प्रभारी कप्तान सिंह अपनी टीम के साथ पहुंचे और घायलों को अस्पताल भिजवाने के बाद मामले की जांच शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है और घायलों की हालत गंभीर होने के कारण उनसे बातचीत संभव नहीं हो सकी है। पुलिस सभी घायलों की शिनाख्त में जुटी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वे कौन हैं और कहां जा रहे थे।

मत्स्याखेट 15 अगस्त तक प्रतिबंधित

विजय मत, उमरिया

प्रभारी क्षेत्रीय प्रबंधक देवलोंद जिला शहडोल ने बताया कि वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि (प्रजनन) के .ष्टिकोण से संरक्षण देने हेतु राज्य के सभी प्रकार के निर्दिष्ट जल क्षेत्रो में मप्र नंदीय मत्स्याखेट अधिनियम 1972 की धारा 3(2) के अंतर्गत 16 जून से 15 अगस्त की अवधि को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित किया गया है। इस अवधि में सभी प्रकार का मत्स्याखेट, मत्स्य विक्रय, मत्स्य विनिमय अथवा परिवहन करना प्रतिबंधित है। इन नियमों के उल्लंघन पर म.प्र. राज्य मत्स्य क्षेत्र (संशोधित) अधिनियम 1981 की धारा-5 तहत उल्लंघनकर्ता को एक वर्ष का कारावास या 5000 रु. जुर्माना या दोनो से दंडित किये जाने का प्रावधान है, एवं धारा-3 के तहत उल्लंघनकर्ता द्वारा अवैधानिक मत्स्याखेट एवं परिवहन के उपयोग में लाये जाने वाले पशुओं, गाड़ियों (कार्ट), जलयानो, बैलो (रेक्टस) नौकायानो (व्हीकल्स) के अधिग्रहण उनके हटाये जाने और उनके जप्ती के प्रावधान है। उक्त नियमो के उल्लंघन पर अधिनियम धारा-5 के अंतर्गत प्रत्येक अपराध संज्ञेय है। नियम के माध्यम से समस्त सम्बंधित व्यक्तियों एवं जनसाधारण से अपेक्षा की गई है कि, इस अवधि में किसी प्रकार का मत्स्याखेट न तो स्वयं करें और न ही इस कार्य में अन्य को सहयोग दे।

विधानसभा 90 मानपुर के लिए एक्सेसिबल इलेक्शन कमेटी का हुआ पुर्नगठन

उमरिया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मानपुर टीआर नाग की अध्यक्षता में असेंबली कॉन्सिटीट्यूएंसी कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन कमेटी का पुर्नगठन किया गया है जिसमें तहसीलदार मानपुर, पाली, सीईओ जनपद पंचायत मानपुर,पाली, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मानपुर, पाली, तथा विकासखंड स्रोत केंद्र समन्वयक बीआरसी मानपुर, पाली शामिल है ।

पत्रकारवार्ता — **पत्रकार वार्ता में डिप्टी सीएम ने कांग्रेस की इंदिरा सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल को लिया आडे हाथों**

कांग्रेस द्वारा लगाया गया आपातकाल इतिहास का काला अध्याय:उपमुख्यमंत्री

विजय मत, सीधी

कांग्रेस सरकार द्वारा लोकतंत्र को कलंकित करने वाला इतिहास का काला दिन था 25 जून 1975, जब इंदिरा सरकार के अहंकार ने आपातकाल लगाया। ईश्वर से प्रार्थना है कि देश को ऐसा दिन फिर से न देखना पड़े। लोकतंत्र को बचाने के लिए जिन विभूतियों ने अपना जीवन दांव पर लगाया, उन्हें नमन करता हूं। आइए संकल्प लें कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए ऐसी मानसिकता, अहंकार और तानाशाही विचारधारा से देश को मुक्त कराएंगे।

उक्त आशय के विचार उप मुख्यमंत्री और प्रदेश के लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता और लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा, धौंहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम, सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक, प्रदेश कार्य समिति के सदस्य इंद्र शरण सिंह चौहान, के के तिवारी के विशिष्ट आतिथ्य और जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे और आभार डॉ मनीला सिंह चौहान की उपस्थित मे कही।

कांग्रेस ने निर्वाचित 90 बार राज्य सरकारों को बर्खास्त करने का किया है पाप

उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल के संदर्भ और कांग्रेस की सरकारों के लिए कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए और तानाशाह रवैया अपनाते हुए जनता द्वारा चुनी गई राज्य सरकारों को 90 बार से अधिक बर्खास्त कर संविधान की हत्या कर की। इसके साथ ही अपनी निहित स्वार्थ की पूर्ति और निरंकुश तानाशाह बनने के लिए 75 बार संविधान में संशोधन किया। केवल इतना ही नहीं संविधान के स्तंभ कार्यपालिका, व्यवस्थापिका और न्यायपालिका के सभी अधिकारों को समाप्त कर, आम नागरिकों के मौलिक अधिकारों को छीनकर, प्रेस की आजादी को क्रूरता पूर्वक समाप्त कर ने का दुष्कर्म कांग्रेस की इंदिरा गांधी सरकार ने किया था।

कांग्रेस में व्यक्ति महत्वपूर्ण, देश बाद मे

उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर पार्टी द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस एक व्यक्ति, एक परिवार की पार्टी है। जिसके लिए पहले व्यक्ति, फिर पार्टी, और उसके बाद देश का सिद्धांत कार्यकर्ता है। जबकि भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्रवादी पार्टी है। राष्ट्र प्रथम, पार्टी द्वितीय, और व्यक्ति तीसरे पायदान पर होता है।

आपातकाल लगाने का कांग्रेस करें प्रायश्चित

उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आपातकाल पर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस आज अपने कुकर्म और पापों के कारण हासिऐ पर खड़ी है। अस्तित्व बचाने की लड़ाई लड़ रही है। कांग्रेस मुक्त भारत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्घोष नहीं बल्कि हम सभी के लिए एक संदेश है। कांग्रेस ने केवल और केवल देश का शोषण किया है और एक परिवार का ही उत्थान किया है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में आज देश का प्रत्येक वर्ग सुखी और समृद्धिशाली हो रहा है।

आपातकाल एक बिभीसिका

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आपातकाल 25 जून 1975 को इंदिरा गांधी ने अपनी सरकार को बचाने के लिए लगाया था। उस समय के तत्कालीन बड़े-बड़े नेता पंडित अटल बिहारी वाजपेई, जयप्रकाश नारायण सहित लाखो राजनेता, कथाकार, लेखक, विद्वान, पत्रकार रातो रात उठाकर जेल में डाल दिया था। यह काला अध्याय किसी भीषिका से काम नहीं है।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

आपातकाल : स्वर्णिम लोकतंत्र का काला अध्याय

धर्मेन्द्र सिंह लोधी

संवैधानिक प्रावधानों के तहत देश में आपातकाल मंत्रिमंडल की अनुशंसा पर राष्ट्रपति द्वारा लागू किया जाना चाहिए, परंतु श्रीमती गांधी ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने 26 जून 1975 को सुबह 6:00 केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक बुलाकर मंत्रियों को बताया कि मध्य रात्रि के बाद से देश में आपातकाल लगा दिया गया है। कुल मिलाकर देश में आपातकाल लागू करने के बाद और देश को यह सूचना देने से पहले श्रीमती गांधी ने मंत्रिमंडल की महज औपचारिक सहमति प्राप्त की, जो उनकी तानाशाही को दर्शाता है। आपातकाल लागू करते ही इंदिरा गांधी की तानाशाही शुरू हो गई। उन्होंने देश में नागरिक स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों को स्थगित कर दिया।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और संविधान लोकतंत्र का रक्षक, क्योंकि संविधान लोकतांत्रिक मूल्यों, मौलिक अधिकारों और नागरिक स्वतंत्रता की आधारशिला है, किंतु 25 जून 1975 से 31 मार्च 1977 तक का कालखंड ऐसा था, जब देश में सत्ताधारी नेताओं द्वारा इन सभी मूल्यों का गला घोंटा गया। संवैधानिक शब्दावली में इस कालखंड को आपातकाल कहा गया परंतु इतिहास में इसे 'स्वर्णिम लोकतंत्र के काले अध्याय' के रूप में जाना जाता है। इस अवधि में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए न केवल संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों को स्थगित करके भारतीय लोकतंत्र की आत्मा पर भी कुठाराघात किया।

1971 में श्रीमती इंदिरा गांधी ने 'गरीबी हटाओ' के नारे पर भारी बहुमत से चुनाव अवश्य जीता, लेकिन 1975 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने रायबरेली से उनके निर्वाचन अवैध घोषित कर दिया और 6 वर्षों तक चुनाव लड़ने के लिये भी अयोग्य ठहरा दिया। उच्च न्यायालय के इस निर्णय ने श्रीमती इंदिरा गांधी के पद को खतरे में डाल दिया। अपनी सत्ता को बचाने की लाचारी और राजनीतिक वर्चस्व की भूख ने लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्वस्त करते हुए श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू कर दिया। आपातकाल का यह निर्णय किसी राष्ट्रीय संकट के कारण नहीं बल्कि श्रीमती गांधी की सत्ता लोलुपता से प्रेरित था। संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर उन्होंने देश को आपातकाल के अंधकार में धकेल दिया।

श्रीमती गांधी द्वारा राष्ट्रवादी विचारधारा को कुचलने का कार्य किया। लोकतंत्र को बचाने के लिये प्रतिरोध करने वालों के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किये गये। जनसंघ और अन्य विपदलों से जुड़े नेताओं को गिरफ्तार कर 'मीसा' अर्थात आंतरिक सुरक्षा कानून के तहत जेल में डाल दिया गया जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेई और लालकृष्ण आडवाणी जैसे अनेक वरिष्ठ नेताओं को जेल में बंद कर दिया गया। एक अनुमान के मुताबिक बिना सुनवाई के लगभग 01 लाख 40 हजार से अधिक लोगों को जेल में बंद कर दिया गया। लोकतंत्र की सबसे जरूरी विशेषता 'वैकल्पिक विचार' को श्रीमती इंदिरा गांधी ने राजद्रोह में बदल दिया।

आपातकाल में इंदिरा गांधी ने न्यायपालिका जो लोकतंत्र की रक्षा की अंतिम संस्था है, उसे भी झुकने पर मजबूर कर दिया। न्यायपालिका की स्वायत्तता को छीनने का प्रयास किया गया। सत्ता की आलोचना करने वाले अखबारों को सेंसर कर दिया गया। अनेक समाचार पत्रों के छपने पर रोक लगा दी गई। यह प्रेस की स्वतंत्रता का सबसे भयावह क्षण था। संजय गांधी के मार्गदर्शन में चलाए जाने वाला 'नसबंदी अभियान' सरकारी आतंक का प्रतीक बन गया। व्यक्तिगत सत्ता स्थायित्व के लिए संविधान में प्रजातंत्र विरोधी संशोधन किए गए। न्यायपालिका की शक्ति को सीमित करने की कोशिश की गई। यह वास्तव में भारत के लोकतांत्रिक संतुलन को बिगाड़ने की एक बड़ी साजिश थी । आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने 'इंदिरा इज इण्डिया एण्ड इण्डिया इज इंदिरा' जैसे नारों को प्रसारित किया जो इंदिरा गांधी की निरंकुशता, तानाशाही और संविधान विरोधी मानसिकता को दर्शाते हैं। आपातकाल के दौरान प्रसिद्ध कवि जी.एस. शिवरूद्रप्पा ने 'इस देश में' नामक एक कविता लिखी-

इसदेश में
वीर पूजा ,परिवार पूजा
खत्म होनी चाहिए,
लेकिन मेरी कुलदेवी की तरफ कोई आंख न उठाए,
इसदेश में
हर एक को अपना मुंह बंद रखना चाहिए
लेकिन उन्हें मेरे शब्द सुनने के लिए
अपने कान खुले रखना चाहिए

यह कविता देश में इंदिरा गांधी की तानाशाही और लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों पर किए गए वज्रपात को प्रदर्शित करती है। आजकल कुछ विपनेता संविधान की प्रतियां हाथों में लेकर संसद से सड़कों तक 'संविधान खतरे में है' और 'लोकतंत्र खतरे में है' के नारे लगा रहे हैं। राजनीतिक स्वार्थ के लिए संविधान और लोकतंत्र को खतरे में बताने वाले इन नेताओं को थोड़ा अतीत में झांकना चाहिए। राहुल गांधी को पीछे जाकर अपनी दादी इंदिरा के काले कारनामों को देखना चाहिए, कि किस तरह उनकी सत्ता की लालसा ने देश में लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों की हत्या की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश विकास और प्रगति के नए आयाम को स्पर्श कर रहा है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। समावेशी विकास में लोकतंत्र की पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक विकास को प्रवाहित किया है। लोकतांत्रिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मोदी सरकार द्वारा जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला और जनधन जैसी योजनाओं को धरातल पर लागू किया गया है। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संवैधानिक प्रावधानों को स्थगित कर दिया था, वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने संवैधानिक मूल्यों और प्रावधानों के अनुक्रम में धारा 370 को हटाने, जीएसटी लागू करने जैसे राष्ट्रीय हित के कार्यों को मूल रूप प्रदान किया है। आपातकाल लोकतांत्रिक इतिहास का एक ऐसा काला अध्याय है, जो हमें चेतावनी देता है, कि सत्ता का केंद्रीकरण किस हद तक लोक स्वतंत्रता को कुचल सकता है। आपातकाल इस बात की चेतावनी है, कि जब सत्ता की भूख विवेक पर हावी हो जाती है, तब लोकतंत्र खोखला हो जाता है। इंदिरा गांधी द्वारा लागू किया गया आपातकाल उनके राजनीतिक स्वार्थ और आत्ममुग्धता का प्रतीक था। वह एक समय था जब श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश की आत्मा को कुचल कर सत्ता की कुर्सी को बचाया था। इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू करके देश की जनता पर जो अत्याचार किया, उसका उत्तर जनता ने 1977 के चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से बाहर करके दिया। जिससे यह स्पष्ट है कि आपातकाल भारत के स्वर्णिम लोकतंत्र में न केवल एक काला अध्याय है, बल्कि सत्ता के मद में चूर श्रीमती इंदिरा गांधी की तानाशाही का भी प्रतीक है।

लेखक-संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) है

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

आखिर कब तक बम की शरण में रहेंगे

अब अमेरिका भी ईरान और इजरायल के बीच टकराव की आग में खुलकर कूद पड़ा है। अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों - फोर्डो, नतांज और इस्फ़हान पर इतिहास का सबसे सफल सैन्य हमला किया। नॉथ्रॉप बी-2 स्पिरिट, जिसे स्टील्थ बॉम्बर के नाम से भी जाना जाता है, अमेरिकी भारी बमवर्षक B-2 है जिसमें स्टील्थ तकनीक है जिसे बंकर को भेदने के लिए डिज़ाइन किया गया। बंकर एक रक्षात्मक सैन्य किला है जिसे लोगों सामग्रियों को गिरने वाले बमों, तोपखाने या अन्य हमलों से बचाने के लिए डिज़ाइन किया जाता है। बी-2 बमवर्षक विमानों ने 37 घंटे तक बिना रुके उड़ान भरी, 7000 मील से अधिक की दूरी तय की- अमेरिका ने ईरान की रूसी वायु रक्षा मिसाइलों को मात देकर उसके परमाणु स्थलों पर हमला किया ज बंकर कंक्रीट के ढांचे होते हैं, जिन्हें आंशिक रूप से जमीन में खोदा जाता है चालक दल के दो लोगों के साथ एक सबसोनिक फ्लाइंग विंग, विमान को उड़ाते हैं इसे नॉथ्रॉप (बाद में नॉथ्रॉप ग्रुम्मन) द्वारा डिजाइन किया गया था, जिसमें बोइंग, ह्यूजेस और वॉट प्रमुख भागीदार थे, और इसका उत्पादन 1988 से 2000 तक किया गया था। बमवर्षक पारंपरिक और थर्मोन्यूक्लियर हथियार गिरा सकता है, जैसे अस्सी 500 पाउंड (230 किलोग्राम) एमके 82 जेडीएएम जीपीएस-निर्देशित बम, या सोलह 2,400 पाउंड (1,100 किलोग्राम) बी-2 स्पिरिट बम जो 2016 में प्रशांत महासागर के ऊपर उड़ते पाए गए थे। कार्टर प्रशासन के दौरान एडवांस्ड टेक्नोलॉजी बॉम्बर (ATB) परियोजना के तहत विकास शुरू हुआ, जिसने मैक-2-सक्षम B-1A बॉम्बर को आंशिक रूप से रद्द कर दिया क्योंकि झुकने वादा दिखाया, लेकिन विकास संबंधी कठिनाइयों ने प्रगति में देरी की और लागत बढ़ा दी। अंततः, कार्यक्रम ने विकास, इंजीनियरिंग, परीक्षण, उत्पादन और खरीद सहित प्रत्येक 2.13 बिलियन (2024 में 4.17 बिलियन) की औसत लागत पर 21 B-2 का उत्पादन किया।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

सत्ता की लालसा में भारत माता की लोकतांत्रिक आत्मा को कैदखाने में झोंक दिया था

डॉ. दुर्गेश केसवानी

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 25 जून 1975 की रात को वह स्याह स्याही बिखेरी गई थी, जिसने देश की आज़ादी के बाद सबसे बड़ा हमला जनता की आज़ादी पर किया। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सत्ता की लालसा में भारत माता की लोकतांत्रिक आत्मा को कैदखाने में झोंक दिया। देश में लगा आपातकाल कोई सामान्य निर्णय नहीं था – यह सत्ता बचाने की साजिश थी, यह तानाशाही थी, यह जनता के मुंह पर तमाचा था। इंदिरा गांधी ने न केवल न्यायपालिका को झुकाया, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता को जंजीरों में जकड़ दिया। लाखों सच्चे देशभक्तों को जेलों में ठूंस दिया गया, रातोंरात नेताओं को उठाकर कालकोठरी में डाल दिया गया। जनता की आवाज़ को कुचलने के लिए पुलिसिया डंडे और सेंसरशिप का हथियार बनाया गया। लेकिन साथियों, इस अंधकार में भी उम्मीद का एक दीपक प्रज्वलित हुआ – जनसंघ और उसके वीर सपूतों ने लोकतंत्र की इस लड़ाई में दुर्ग बनकर खड़े हो गए। अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, नाना जी देशमुख जैसे नायक जेलों में सड़ गए लेकिन तानाशाही के आगे घुटने नहीं टेके। उस समय की जनसंघ की यह ज्वाला बाद में भारतीय जनता पार्टी के रूप में प्रज्वलित हुई – और आज भी उसी लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा कर रही है। जनसंघ और भाजपा के कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव जाकर लोगों को जगाया। चुप कर दी गई आवाज़ को फूटने वाला ज्वालामुखी बना दिया। अंधेरे में दीपक बने – और अंततः तानाशाही को धूल चटा दी। यह वही विचारधारा है जो कहती है – सत्ता के सिंहासन को कुर्बानी से नहीं, जनसेवा से ही पाना चाहिए। आज जब कोई कांग्रेस लोकतंत्र की दुहाई देता है, तो इतिहास के इस काले पन्ने को याद कर लेना चाहिए। जो कभी पूरी राष्ट्र की आवाज़ को घोंट सकते हैं, वे लोकतंत्र के सबसे बड़े दुश्मन हैं। यह आपातकाल की सीख है कि जनता से बड़ा कोई नहीं – न कोई प्रधानमंत्री, न कोई पार्टी! आइए, इस अमृतकाल में हम सब मिलकर उन वीर सेनानियों को नमन करें जिन्होंने जेल की सलाखों में रहकर भी लोकतंत्र की मशाल को बुझने नहीं दिया। जनसंघ और भाजपा के इसी त्याग और तपस्या ने भारत के लोकतांत्रिक स्वाभिमान को फिर से खड़ा किया।

जय लोकतंत्र! जय जनसंघ! जय भारतीय जनता पार्टी!

(लेखक भारतीय जनता पार्टी, मध्यप्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता हैं)

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

स्वत्व और स्वाभिमान जागरण अभियान केलिये जीवन समर्पित

रमेश शर्मा

अंग्रेजों ने क्रान्ति के दमन के लिये जो सामूहिक नरसंहार किये उनके समाचार प्रतिदिन आ रहे थे। उन्होंने क्रान्ति के कारणों को भी समझा और असफलता को भी। इस पूरी अवधि में वे मानसिक रूप से उद्वेलित तो हुये पर अपनी पढ़ाई से विचलित न हुये। 1857 में ही प्रेसीडेंसी कालेज से बी. ए. की उपाधि लेने वाले वे पहले भारतीय विद्यार्थी थे। इस कारण तत्कालीन अंग्रेज सरकार ने उनका स्वागत किया और शिक्षा पूरी होने के साथ उनकी नियुक्ति डिप्टी मजिस्ट्रेट पद पर हो गई। कुछ समय वे बंगाल सरकार में सचिव पद पर भी रहे। लेकिन उन्होंने नोकरी छोड़ दी। 1869 में वकालत पास की। और इसके साथ ही उन्होंने वैचारिक रूप से समाज जागरण का अभियान आरंभ किया।

देश की स्वतंत्रता केलिये हुये असंख्य बलिदानों की श्रृंखला के पीछे असंख्य प्रेरणादायक महाविभूति भी रहे हैं। जिनके आव्हान से समाज जाग्रत हुआ और संघर्ष के लिये सामने आया। ऐसे ही महान विभूति हैं बंकिम चंद्र चटोपाध्याय। जिनका आव्हान मानों स्वाधीनता संघर्ष का एक महामंत्र बन गया। उनके द्वारा सृजित वंदेमातरम का उद्घोष सशस्त्र क्रान्तिकारियो ने भी किया और अहिसंक आँदोलनकारियों ने भी किया। राष्ट्र और सांस्कृतिक वोध जागरण केलिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले सुप्रसिद्ध पत्रकार, साहित्यकार और गीतकार बंकिम चंद्र चटोपाध्याय का जन्म 27 जून 1838 को बंगाल के उत्तरी चौबीस परगना जिला अंतर्गत कंठालपाड़ा नैहाटी में हुआ था।(कहीं कहीं यह तिथि 26 जून भी लिखी है) उनके पिता यादवचन्द्र चटोपाध्याय के परिवार की संपन्न और सुसंस्कृत थी। माता दुर्गा देवी भी परंपराओं के प्रति पूर्णतयः समर्पित थीं। राष्ट्र स्वाभिमान और सांस्कृतिक वोध उनके संस्कारों में था। उनकी शिक्षा हुगली कॉलेज और प्रेसीडेंसी कॉलेज में हुई। देश में जब 1857 की क्रान्ति आरंभ हुई तब वे महाविद्यालयीन छात्र थे। बी ए कर रहे थे। वे अतीत में हुये संघर्ष से जितने प्रभावित थे उतने ही कुछ लोगों द्वारा परिस्थितियों के समक्ष झुक कर अपना स्वत्व और स्वाभिमान खो देने की मानसिकता से भी आहत थे। इसलिये उन्होंने स्वत्व जागरण और संगठन पर जोर देने के संकल्प के साथ अपनी रचना यात्रा आरंभ की।

बंकिम चंद्र चटोपाध्याय का जन्म पर विशेष

उनकी पहली प्रकाशित रचना राजमोहन्स वाइफ थी। यह अंग्रेजी में थी। इसमें परिस्थितियों की विवशता को बहुत सावधानी से प्रस्तुत किया। बंगला में उनकी पहली रचना 1865 में दुर्गेशनंदिनी प्रकाशित हुई। यह एक आध्यात्मिक रचना है पर इसके माध्यम से समाज की आंतरिक शक्ति से ठीक उसी प्रकार परिचित कराया गया जैसा मुगल काल में बाबा तुलसी दास ने रामचरित मानस के द्वारा जन जागरण करने का प्रयास किया था। इसी श्रृंखला में 1866 में उपन्यास कपालकुंडला प्रकाशित हुआ और 1872 में मासिक पत्रिका बंगदर्शन का भी प्रकाशन किया। इस पत्रिका के माध्यम से वे एक कुशल पत्रकार के रूप में सामने आये। इस पत्रिका में बंगाल के अतीत, और गौरव की चर्चा के माध्यम से समाज को जाग्रत करने की सामग्री होती थी। अपनी इस पत्रिका में उन्होंने अपने विषवृक्ष उपन्यास को भी धारावाहिक रूप से प्रकाशित किया। जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है कि इस उपन्यास में समाज के उस स्वभाव और अदूरदर्शिता का प्रतीकात्मक वर्णन था जो भारत राष्ट्र के पतन का कारण बना। इसी प्रकार अपनी कृष्णकांतेर रचना में उन्होंने ने अंग्रेजी शासकों पर तीखे व्यंग्य किये। बंगाल के कांतल गाँव में 7 नवम्बर 1876 को गीत वंदे मातरम की रचना की। जो 1882 में कालजयी उपन्यास 'आनंद मठ' पूर्ण हुआ। वंदेमातरम इस उपन्यास का प्रमुख अंश है। मूलरूप से 'वंदे मातरम' के प्रारंभिक दो पद संस्कृत में थे, जबकि शेष गीत बांग्ला भाषा में था। गीत वंदे मातरम् का अंग्रेजी अनुवाद सबसे पहले अरविंद घोष ने किया।

यूँ तो उनकी प्रत्येक रचना भारतीय समाज को जाग्रत करने वाली हैं पर फिर भी आनंदमठ उपन्यास और इसके अंतर्गत गीत वंदेमातरम संघर्ष और बलिदान का महामंत्र बना। इस उपन्यास की भूमिका बंगाल में हुये सन्यासी विद्रोह से पड़ गई थी। बंगाल में संतों और सन्यासियों ने 1873 में समाज जागरण का कार्य किया था ताकि अंग्रेजी कुचक्र से राष्ट्र संस्कृति और परंपराओ की रक्षा हो सके। संतो के इस अभियान को संयासी विद्रोह का नाम दिया गया जिसे अंग्रेजों ने बहुत क्रूरता से दमन किया था। आनंदमठ में संन्यासियों द्वारा की गई क्रान्ति के प्रयास का वर्णन था। जब इस उपन्यास के रूप में यह विवरण सामने आया तो मानो पूरे समाज राष्ट्रबोध जाग्रत हो गया। और समाज अंग्रेजों के विरुद्ध एक जुट सामने आने लगा। तब बंगाल के सामाजिक और सार्वजनिक आयोजन में वंदेमातरम का घोष मानों एक परंपरा ही बन गई थी।बंकिम बाबू का अंतिम उपन्यास 1886 में सीताराम आया। इसमें सल्तनकाल के वातावरण और उसके प्रतिरोध को दर्शाया गया था। उनके अन्य उपन्यासों में मृणालिनी, इंदिरा, राधारानी, कृष्णकांतेर, देवी चौधरानी और मोचीराम जीवनचरित शामिल है। उन्होंने धर्म, सामाजिक और समसामायिक विषयों पर आधारित कई निबंध और कविताएँ भी लिखीं।

यह उनके रचना संसार से समाज में उत्पन्न जाग्रति का ही परिणाम था कि उस काल-खंड में हुये प्रत्येक आन्दोलन के प्रतिभागी उनसे प्रेरित रहे। उनके चिंतन और जीवन में भारत राष्ट्र की संस्कृति और परंपरा का आव्हान था। वे स्वतंत्रता के आदर्शों के प्रति गहराई से प्रेरित थे। पराधीनता के काल में राष्ट्रभाव जाग्रत करने की दिशा में बंकिमबाबू का योगदान सबसे बड़ा है। उन्होंने एक आदर्श सत्ता की स्थापना के लिये आवश्यक तत्वों को समाज के सामने लाने के लिये निबंध 'कृष्णचरित्र' प्रकाशित किया। जब उनका गीत 'वन्देमातरम्' पहली बार 1876 में 'बंगदर्शन' समाचार पत्र में प्रकाशित हुआ, तो उससे मानों पूरे देश में वैचारिक आवेग उत्पन्न हुआ। उन्होने सनातन परंपराओ और राष्ट्र के लिये अनिवार्य आदर्शों के बीच एक अद्भुत पूरकता और सामंजस्य स्थापित किया। वही हिन्दुओं के बीच फैली विभ्रम की स्थिति के बारे में मानों एक प्रकार से शोक व्यक्त किया था। उन्होने इस बात पर गहरा क्षोभ व्यक्त किया और झकझोरने का प्रयास किया। उनके इन शब्दों में कि हिन्दु समाज कुमारसंभव को छोड़कर स्वाइनबर्न पढ़ता है, गीता को छोड़ कर मिल को पढ़ता है। उड़ीसा की पत्थर कला को छोड़ देते हैं और साहिबों की चीनी गुड़िया को देखते हैं। कितनी व्यथा और स्वत्व का आव्हान है इसे इन्ही शब्दों में छुपे संदेश से सहज समझा जा सकता है। उन्होंने अपनी रचना 'धर्मशास्त्र' में देशभक्ति को सभी धर्मों से ऊपर रखा। 'लोक रहस्य' में उदारवादियों के भीख मांगने पर व्यंग्य किया और देश को अपने पैरों पर खड़ा होने पर जोर दिया। निबंध 'अमर दुर्गोत्सव' में उन्होंने विधवा विवाह, महिलाओं की स्वतंत्रता के बारे में बात की और अंधी अंग्रेजी नकल का जोरदार विरोध किया।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8409

1		■	2	3		■	4	5
	■	6			■	7		
■	8			■	9			■
10			■	11			■	12
13		■	14			■	15	
	■	16			■	17		
■	18			■	19			■
20			■	21			■	22
23		■	24			■	25	

बाएँ से दाएँ

1. दर्द से निकली कराह-2
2. ओट, चिलमन-3
4. जरा, थोड़ा-2
6. कपड़े की दीवार-3
7. निर्माण-3
8. झगड़ा, अनबन-3
9. गहन-3
10. लाज, लज्जा-3
11. रनिवास-3
13. 500 कागजों की गड्डी-2
14. विश्राम, राहत-3
15. थोड़ा-2
16. एक कीमती लकड़ी-3
17. कैनाल, उपनदी-3
18. बूंद-3
19. मृत्युंजय-3
20. मेघ, बदरा-3
21. सम्राट, राजा-3
23. संपत्ति-2
24. विष, गरल-3
25. औषधि-2

ऊपर से नीचे

1. अग्नि, अनल-2
2. आश्रय, शरण-2
3. लीन, मगन-2
4. कूड़ा-कर्कट-3
5. इंकार-2
6. लेखनी, पेन-3
7. करुणा, दया-3
8. कर्म, भाग्य-3
9. उष्ण-3
10. भद्र, कुलीन-3
11. अवैध, नाजायज-3
12. युद्ध, रण-3
14. आश्रय-3
15. जलजला-3
16. ठंडा-3
17. नमस्कार, प्रणाम-3
18. कद्र, मान-3
19. जो कभी वृद्ध नो हो-3
20. चील, ईगल-2
21. पथ, मार्ग-2
22. इस पर रोटी सेंकते हैं-2

शब्द पहेली -8408 का हल

र	ब	■	ह	सी	न	■	रा	य
न	हा	ना	■	मा	र	ना	■	म
■	र	च	ना	■	क	पा	स	■
सा	■	ना	का	रा	■	क	र	ना
व	ध	■	म	ह	री	■	ल	य
न	र	म	■	त	स	ला	■	क
■	ती	स	रा	■	ना	य	क	■
रा	■	का	य	र	■	क	हा	नी
ह	त्या	■	ता	म	स	■	र	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

26 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

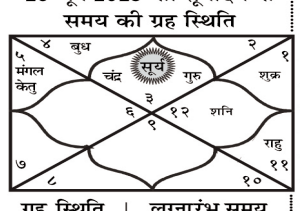

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.48 बजे से
चंद्र	मिथुन में	सिंह	09.04 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.16 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.27 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.42 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	17.58 बजे से
शनि	मीन में	मकर	20.03 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.49 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.22 बजे से
राहुकाल		मेष	00.53 बजे से
1.30 से 3.00 बजे तक		वृष	02.33 बजे से
		मिथुन	04.31 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 177 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 13.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 08.47 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 23.40 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.25 बजे तदनन्तर बालव 00.18 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 21' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872387 **जूलियन दिन** 2460852.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 29 **विशेष** चंद्र दर्शन, गुप्त नवरात्रि प्रारंभ।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15	से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19	से 02.51	बजे तक
काल	02.43	से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51	से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11	से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

यूज इन शॉर्ट

उप मुख्यमंत्री ने जिला अस्पताल अनूपपुर को राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन पत्र किया प्रदाय

अनूपपुर। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल एवं लोक स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मप्र की संचालक डॉ. सलोनी सिडाना ने सोमवार को नरोन्हा प्रशासनिक अकादमी भोपाल के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिला अस्पताल अनूपपुर को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान किए जाने पर राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन पत्र से सम्मानित किया है। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. एसआर परस्ते एवं अस्पताल प्रबंधक डॉ. जनमेजय शाक्य ने यह पुरुस्कार प्राप्त किया। यह सम्मान नेशनल हेल्थ सिस्टम्स रिसोर्स सेन्टर स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार के एनक्यूएएस, लक्ष्य व मुस्कान कार्यक्रम अंतर्गत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा के लिए दिया गया है। जिला अस्पताल अनूपपुर को मिले इस पुरुस्कार के लिए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा है कि एनक्यूएएस, लक्ष्य तथा मुस्कान कार्यक्रम के तहत जिला अस्पताल को राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन पत्र मिलना गौरव की बात है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को बधाई दी है।

जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल की बैठक 28 जून को

अनूपपुर। जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल की बैठक 28 जून को शासन के दिशा निर्देशों के अनुरूप सुबह11 से कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित की गई है। जानकारी जिपं सीइओ तथा जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल के सदस्य सचिव तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने दी है। उन्होंने बताया कि बैठक में वार्षिक कार्य योजना, वार्षिक प्रतिवेदन के अनुमोदन तथा अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयक चर्चा की जाएगी। उन्होंने सर्व संबंधितो से बैठक में उपस्थित की अपील की है।

24 घंटे में जिले में 7.6 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 7.6 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर में 1.4 मिमी., कोतमा में 14 मिमी., बिजुरी में 15.6 मिमी., जैतहरी में 4 मिमी., वेंकटनगर में 5.8 मिमी.,पुष्पराजगढ़ में 9.4 मिमी., अमरकंटक में 7 मिमी. तथा बेनीबारी में 3.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

बंदरों के आंतक से नगरवासी परेशान

कोतमा। कोतमा नगर के कई वार्ड में बंदरों का आतंक जारी है, जिस कारण वार्ड वासी एवं नागरिक परेशान हो रहे हैं। बताया जाता है कि रेलवे कॉलोनी, पुरानी बस्ती, बाजार अस्पताल, जंगल चौकी, बनिया टोला, स्टेशन परिसर के आसपास के घरों में आधा दर्जन से ज्यादा बंदर आए दिन उत्पात मचाते हुए लोगों को परेशान कर रहे हैं। बंदरों की उछल कूद के दौरान छानी एवं खपरैल वाले घरों को ज्यादा नुकसान हो रहा है साथ ही छत में रखी सामग्री को भी फैलाते हुए नुकसान पहुंचा रहे हैं। वार्ड वासियों के द्वारा बंदरों के आतंक की सूचना कोतमा वन विभाग को दी जाती है जिनके द्वारा बिजली रेंज क्षेत्र होना कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं। वहीं सूचना पाकर वन्य प्राणी प्रेमी हरिवंश पटेल के द्वारा आकर बंदरों को आबादी बस्ती से दूर भगाया जाता है।

आरोपी पर पांच हजार रूपये का ईनाम घोषित

उमरिया। पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने थाना इंदवार जिला उमरिया के अपराध क्रमांक 231/25 धारा 137(2) बी एन एस के आरोपी पर पांच हजार रूपये का ईनाम घोषित किया है। ईनाम वितरण के संबंध में अंतिम निर्णय पुलिस अधीक्षक का मान्य होगा।

प्रकरण लोक गारंटी पोर्टल पर बाह्य प्रदर्शित होने पर सात पंचायत सचिवों पर शास्ति अधिरोपित

उमरिया। डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी जिला रजिस्ट्रार जिला योजना आर्थिक सांख्यिकी विभाग ने बताया कि जनपद पंचायत पाली के चार पंचायत सचिवो, पाली जनपद पंचायत के दो पंचायत सचिवो तथा मानपुर जनपद पंचायत एक पंचायत सचिव व्दारा प्रकरण का निराकरण निर्धारित समय सीमा में नही किए जाने पर प्रकरण लोक सेवा गारंटी पोर्टल पर समय सीमा बाह्य प्रदर्शित होने पर शस्ति अधिरोपित किया गया है। जिन सात पंचायत सचिवों पर शस्ति अधिरोपित किया गया है उनमें गेंद सिंह सचिव ग्राम पंचायत कल्दा जनपद पंचायत करकेली पर एक हजार रूपये, दुर्गा देवी परस्ते सचिव ग्राम पंचायत करकेली जनपद पंचायत करकेली पर पांच सौ रूपये, भगवानदीन बैगा ग्राम पंचायत देवरी जनपद पंचायत करकेली पर पांच सौ रूपये, कल्याण सिंह सचिव ग्राम पंचायत धमनी जनपद पंचायत करकेली पर सात सौ पचास रूपये, शैलेन्द्र तिवारी सचिव ग्राम पंचायत धौरई जनपद पंचायत पाली पर दो सौ पचास रूपये, सचिव ग्राम पंचायत रथेली जनपद पंचायत मानपुर पर सात सौ पचास रूपये का शस्ति अधिरोपित शामिल है।

मुम्बई से बांदा की थी रवानगी, दो आरोपी गिरफ्तार गांजा सहित वाहन जब्त, पूछताछ में पुलिस रिमांड की मांग

कबाड़ की आड़ में 71 किलो गांजा की तस्करी, महिला भी हथियार के साथ धराई

विजय मत, अनूपपुर

छत्तीसगढ़ से अनूपपुर-चचाई के रास्ते उत्तरप्रदेश की बांदा जा रही लग्जरी वाहन को पुलिस ने 71 किलो 820 ग्राम गांजा तस्करी करते जब्त किया है। वाहन से चालक के साथ एक महिला तस्कर भी धड़ दबोची गई है, जिसके बैग से 2 तेज धारदार चाकू और 05 नग एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, टच स्क्रीन मोबाइल भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने मौके से 71.820 ग्राम गांजा अनुमानित कीमत 7,18,200 रुपए के साथ वाहन लगभग 10 लाख रुपए और वाहन में लोड कबाड़ कीमत 1 लाख रुपए सहित कुल 18,18,200 रुपए का मशरूका जब्त की है। चचाई पुलिस दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 8/20 बी एनडीपीएस एक्ट एवं 25 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुए अभिरक्षा में लिया है। पुलिस आरोपियों को न्यायालय पेश करते हुए रिमांड की आवेदन दी है। थाना प्रभारी सुंद्रेश सिंह मरावी ने बताया कि 24 जून को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि छत्तीसगढ़ अनूपपुर तरफ से एक लग्जरी वाहन महाराष्ट्र पासिंग कार में अवैध गंजा परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर टीम अलग-अलग रास्तों पर लगाया गया। छत्तीसगढ़ अनूपपुर तरफ से आने वाले वाहनों की निगरानी की गई, तभी अनूपपुर चचाई तरफ से एक लग्जरी कार आते हुए दिखी। रोकने का प्रयास रेस्क्यू तिराहा अमलाई में किया गया, जहां पुलिस को देखकर मीडिया रास रोड होते हुए वाहन भागने लगी। पीछा कर विजय ग्राउंड के पास वाहन को रोका गया और जांच पड़ताल की गई। कार क्रमांक एमएच 05 एएक्स 0937 के चालक सीट पर एक व्यक्ति एवं उसी के पास वाली सीट पर एक महिला बैठी हुई मिली। नाम पता पूछने पर चालक ने अपना नाम रिजवान खान पिता निजाम खान उम्र 32 साल निवासी नवी मुंबई तुरबा स्टेशन मस्जिद के पास थाना सानपाड़ा जिला महाराष्ट्र एवं बगल में बैठी महिला ने अपना नाम शबाना अंजुम पति फारुक खान उम्र 35 साल निवासी मोमिनपुरा नासिर खान का मकान टीमकी पुलिस चौकी के पास थाना तहसील जिला नागपुर की होना बताई।

वाहन में कबाड़ के साथ मिला 14 पॉकेट गांजा

थाना प्रभारी ने बताया कि वाहन की जांच में पीछे किसी पुरानी गाड़ी के पार्ट्स जैसे पेट्रोल टंकी खुला हुआ, स्टेरिंग खुला हुआ, साइलेंसर एक बैटरी, एक नग फैन, एक प्लास्टिक का बम्फर, रिपेयरिंग रोड गियर बॉक्स थे। तथा सामान के नीचे 1 बैग में कपड़े तथा 6 अलग-अलग बैग/थैला में कुल 14 पैकेट अवैध गंजा पाया गया। वजन करने पर कुल 71 किलो 820 ग्राम कीमत 7,18,200 रुपए आंका गया। आरोपियों ने पूछताछ में मुम्बई से बांदा जाना बताया। साथ ही महिला को चालक ने रिश्तेदारी में बहन तथा चालक द्वारा बांदा में रह रही पत्नी को वाहन से ले जाने आने की बात कही गई। पुलिस के अनुसार चालक रिजवान खान ने बरगलाते हुए वाहन में कबाड़ लेकर जाने पर बताया कि रास्ते में उसकी पुरानी कार खराब हो गई थी, जिसका पार्ट्स निकालकर मुम्बई से एक अन्य वाहन बुलाकर उसपर लोड करते हुए ले जा रहा था। वहीं पुलिस का आरोप है कि महिला और पुरूष की बातों में यह भी स्पष्ट हुआ कि जब्त वाहन के आगे एक अन्य वाहन रैकी में निकला था, जिसमें महिला की एक और मोबाइल रखना होना बताया गया है। फिलहाल पुलिस महिला से जब्त मोबाइल से जानकारी जुटाने के साथ अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

जैतहरी पुलिस ने 377.54 ग्राम किया जब्त

24 जून को ही मुखबिर सूचना के आधार पर कांजी हाउस के पास कुसुमहाई रोड पर झोला में अवैध गांजा बिक्री के लिए रखे होने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए ओमप्रकाश यादव पिता स्व. बेसाहन यादव उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम चांदपुर थाना जैतहरी से 377.54 ग्राम गांजा कीमत 1600 रूपया जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध करते हुए विवेचना में लिया है।

बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण न्यायाधीशों ने दी जानकारी

स्कूलों, आंगनवाड़ी केन्द्र और पंचायत में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

विजय मत, अनूपपुर

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश माया विश्वलाल के निर्देश में मंगलवार को शासकीय हाई स्कूल चकेठी में नालसा(तस्करी और वाणिज्यिक यौन शोषण पीड़ितों के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2015 के संबंध में, आंगनबाड़ी केन्द्र चकेठी में नालसा(बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2024 के संबंध में, ग्राम पंचायत चकेठी में नालसा(आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन के लिए विधिक सेवाएं)योजना 2015 के संबंध में, आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 01 चंदवार और शासकीय माध्यमिक विद्यालय चंदवार में नालसा(आशा-जागरूकता, समर्थन, सहायता और कार्रवाई)मानक संचालन प्रक्रिया-बाल विवाह से मुक्ति की ओर अग्रसर 2025 के संबंध में कानूनी जानकारी देने के लिए विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला न्यायाधीश तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विनोद कुमार वर्मा एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल ने उक्त योजनाओं के विषय में विस्तार से कानूनी जानकारी दी तथा निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह योजना, मध्यस्थता योजना, बाल विवाह निषेध, भरण-पोषण, यातायात नियम, नशा उन्मूलन एवं अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना के बारे में जानकारी दी। इस दौरान शिविर में पैरालीगल वालेंटियर, शासकीय हाईस्कूल चकेठी के प्राचार्य, संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच/सचिव, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाएं एवं संबंधित ग्राम के ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ट्रेन से गिरने से अज्ञात युवक की मौत, जांच में जुटी पुलिस

अनूपपुर। कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 9 बिहारी कॉलोनी के पास मंगलवार की रात जैतहरी से अनूपपुर की ओर आने वाली रेलवे ट्रैक के किनारे 35 वर्षीय एक अज्ञात युवक का शव पाया गया। स्टेशन मास्टर अनूपपुर की सूचना पर कोतवाली पुलिस अनूपपुर द्वारा बरामद कर प्रारंभिक कार्यवाई कर शव को जिला अस्पताल अनूपपुर के शव फ्रीजर में सुरक्षित रखवाया गया। संभावना व्यक्त की जा रही है कि अज्ञात मृतक युवक किसी ट्रेन से यात्रा करते समय नीचे गिर गया रहा होगा जिसके सिर तथा मुंह में गंभीर चोट आने पर स्थल पर मृत्यु हो गई होगी। कोतवाली पुलिस ने अज्ञात मृतक की पहचान,पता तलास करते हुए आम जनो से भी अज्ञात युवक के सम्बन्ध में किसी भी तरह की जानकारी मिलने पर कोतवाली पुलिस को सूचना दिए जाने की अपील की है।

नशा मुक्त भारत के लिए विद्यार्थियों ने बनाई मानव श्रृंखला

नशा के विरुद्ध जन जागरूकता का संदेश दिया

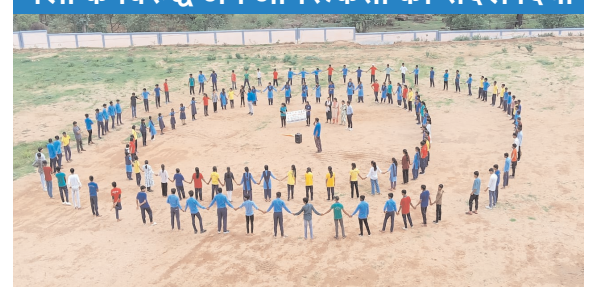

विजय मत, अनूपपुर

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों की संख्या में शासकीय मॉडल उत्तर माध्यमिक विद्यालय जैतहरी में मानव श्रृंखला बनाकर विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने का संदेश दिया है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जैतहरी विकासखंड ग्रामीण युवा समन्वयक दिनेश कुमार सिंह चंदेल तथा प्राचार्य कमलेश राठौर तथा विद्यालय शिक्षकों के उल्लेखनीय सहयोग से विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति का संदेश देने मानव श्रृंखला बनाकर हम सब ने ठाना है नशा मुक्त भारत बनाना है जैसे प्रेरक नारे लगाकर नशा के विरुद्ध जन जागरूकता का संदेश दिया।
राज्य शासन के दिशा निर्देशो के अनुरूप माह भर चले नशा मुक्त भारत अभियान जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत समापन कार्यक्रम गुरुवार को एकलव्य विद्यालय अनूपपुर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में विविध जन जागरूकता गतिविधियों मे उत्कृष्ट योगदान के लिए सहयोगियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

दिनभर उमस शाम को दो घंटे झमाझम हुई बारिश, गर्मी से राहत

विजय मत, कोतमा

बुधवार को कोतमा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शाम के समय 2 घंटे जमकर बारिश हुई। तेज बारिश से होने से नदी नालों में जहां उफान आ गया वहीं नगर की निचली बस्तियों में जल जमाव हो जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शाम 4 बजे के आसपास मौसम में बदलाव के साथ तेज बिजली चमकने व बादलों की गर्जना के साथ डेढ़ से 2 घंटे तक तेज बारिश होती रही। झमाझम बारिश से मौसम में ठंडक का एहसास होने लगा है। वहीं लगातार बिजली गरजने से कई जगह लाइटिंग व तार टूटने से बिजली भी बंद हुई जो की 2 घंटे तक अवरुद्ध रही। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के कारण नगर के निचली बस्तियों में अस्त व्यस्त हो गया है। नाली जाम होने से सडक़ों के ऊपर पानी बहता रहा साथ ही लोगों के घरों में भी पानी भर गया। पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश के कारण किसानों के चेहरे में चमक भी देखने को मिल रही है। खेती किसानी का कार्य भी तेजी से प्रारंभ हो गया है। बताया जा रहा है कि पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अभी तक बारिश ज्यादा हो चुकी है।

परिजनों व समाजसेवियों ने दिया सहयोग, निजी अस्पताल में मासूम का हो रहा इलाज

स्कूली बस की चपेट में आने से कट गया था 4 वर्षीय मासूम का पांव

विजय मत, कोतमा

मंगलवार की दोपहर भालूमाड़ा कदमटोला के पास निजी स्कूल बस की चपेट में आकर कुचल जाने से 4 वर्षीय मासूम रोहिणी केवट का एक पाव बुरी तरह कटकर अलग हो गया था। जिसका जिला अस्पताल अनूपपुर में प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज शहडोल में भर्ती कराया गया था, लेकिन यहां भी संतोषजनक उपचार न मिलने पर परिजनों एवं समाजसेवियों की मदद से शहडोल के निजी अस्पताल में भर्ती कराते हुए एक ऑपरेशन कराया गया है। 3 दिन बाद भी ऑपरेशन करने को डॉक्टर द्वारा कहा गया है। डॉक्टरों की एक टीम लगातार मासूम की हालत पर नजर रखे हुए है। वहीं परिवार की आर्थिक हालत बहुत अच्छी न होने के कारण भालूमाड़ा के समाजसेवियों द्वारा पहल करते हुए इलाज में सहयोग दिया जा रहा है। दूसरी ओर स्कूल प्रबंधन द्वारा भी बच्चों के उपचार में हर संभव मदद देने की बात कही जा रही है। फिलहाल पुलिस ने बस को जब्त करते हुए आरोपी वाहन चालक के खिलाफ तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने के साथ बच्ची के गंभीर घायल होने को लेकर भी विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर विवेचना कर रही है। घटना के दूसरे दिन भी पुलिस एएसआई विनोद द्विवेदी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर परिजनों एवं पास पड़ोस में रहने वालों के कथन दर्ज करते हुए नक्शा पंचनामा की कार्रवाई की है। समाजसेवी विक्की अभिषेक सिंह शहडोल पहुंचकर मासूम के स्वास्थ्य की जानकारी लेने हुए डॉक्टर से ऑपरेशन के बारे चर्चा किया। परिजनों से मिलकर बेहतर उपचार कराने का आश्वासन दिया है।

शिविर

कलेक्टर ने निजी भवन स्वामियों को नोटिस जारी कर डिस्मेंटल करने दिए निर्देश

जिले के नगरीय निकायों में 291 जीर्णशीर्ष भवन चिह्नित, डूमरकछार में सर्वाधिक 183

विजय मत, अनूपपुर

बारिश से पूर्व जिले में जीर्णशीर्ष हो चुके शासकीय भवनों को चिह्नित करते हुए डिस्मेंटल के दिए गए कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देश में 25 जून को जिले के 8 नगरीय निकायों से अबतक कुल 291 जर्जर भवनों को चिह्नित करने का काम पूरा किया गया है। इन चिन्हित भवनों में नगरपालिका अनूपपुर में 5, नगरपालिका कोतमा में 3, नगरपालिका बिजुरी में 20, नगरपालिका पसान में 37, नगर परिषद जैतहरी में 5, नगर परिषद अमरकंटक में 20, नगर परिषद डोला में 18 तथा नगर परिषद डूमरकछार में सर्वाधिक 183 भवन शामिल हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि चिन्हित निजी भवनों के स्वामियों को नोटिस जारी कर आवश्यक सुरक्षा एवं विधिसम्मत कार्रवाई कराई जाए। साथ ही शासकीय जर्जर भवनों को डिस्मेंटल करने के लिए संबंधित विभागों को पत्र प्रेषित किया जाए। दरअसल बारिश के दौरान हाल के दिनों में देश के अनेक प्रदेशों में जीर्णशीर्ष हो चुके भवनों के भरभरा कर गिरने और जान-माल को हुए नुकसान के बाद शासन द्वारा सभी कलेक्टर्स को आदेश जारी किए गए थे, जिसमें अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने लगभग दो माह पूर्व ही ऐसे जर्जर शासकीय भवनों की खोजबीन और चिह्नित कर डिस्मेंटल के निर्देश दिए गए थे।

समग्र आईडी ई-केवाईसी एवं आधार पंजीयन तेजी

वहीं दूसरी ओर कलेक्टर ने जिले में समग्र आईडी से ई-केवाईसी के लिए संचालित अभियान की सघन मॉनिटरिंग एवं निरंतर प्रगति के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर रोजगार सहायक एवं मोबिलाइजर तथा नगरीय निकायों में वार्ड प्रभारियों की सक्रिय सहभागिता अनिवार्य है। सभी को अभियान से जोडऩे के निर्देश अधिकारियों को दिए। इसके साथ ऐसी ग्राम पंचायतों की पहचान कर जहां अधिक संख्या में आयुष्मान कार्ड के लंबित प्रकरण हैं इन पंचायतों में विशेष ध्यान देते हुए आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए कैंप आयोजित करने निर्देशित किया ताकि पात्र हितग्राही शासकीय योजनाओं का लाभ शीघ्र प्राप्त कर सकें। इस दौरान बैठक में कलेक्टर ने फॉर्मर रजिस्ट्री के संबंध में भी अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।

न्यूज इन शॉर्ट

नशा मुक्त भारत अभियान समापन समारोह आज भोपाल में

भोपाल। नशा मुक्त भारत अभियान का राज्यस्तरीय समापन समारोह 26 जून को प्रातः 11 बजे से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा के मुख्य अतिथ्य में आयोजित किया जाएगा। राज्यस्तरीय कार्यक्रम सामाजिक न्याय दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग संचालनालय स्थित सभागार में सम्पन्न होगा। इसमें नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़े स्वयंसेवी संगठनो के प्रतिनिधि वालेंटियर और जनप्रतिनिधि सम्मिलित होंगे।

मूंग एवं उड़द की खरीद को पीएसएस के अंतर्गत स्वीकृति मिलने से सशक्त होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था: चौहान

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश के किसानों को बड़ी सौगात मिली है। किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखते हुए केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश में मूंग एवं उड़द को मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के अंतर्गत खरीदी के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने इस किसान हितैषी निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार भी व्यक्त किया। मंत्री चौहान ने कहा कि यह निर्णय किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस फैसले से ग्रामीण अंचल की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और अन्नदाता के परिश्रम को सम्मान भी प्राप्त होगा।

प्रदेश के पिछड़ा वर्ग पोस्ट-मैट्रिक के के 106 छात्रावास में 8,850 सीटें

भोपाल। प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा अध्ययन के लिये विभिन्न नगरों में पोस्ट-मैट्रिक के छात्रावास की सुविधा उपलब?ध करवायी जा रही है। प्रदेश में पिछड़ा वर्ग पोस्ट-मैट्रिक के 106 छात्रावास हैं और इनमें 8 हजार 850 सीट उपलब्ध हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण संचालनालय द्वारा बताया गया है कि प्रदेश में पिछड़ा वर्ग पोस्ट-मैट्रिक के 50 सीटर कन्या छात्रावास की संख्या 51 है। इनमें 2550 छात्राओं को आवासीय सुविधा उपलब्ध करवायी जा रही है। प्रदेश में पिछड़ा वर्ग पोस्ट-मैट्रिक के 100 सीटर कन्या छासावास की संख्या 2 है इनमें 200 छात्राओं को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध करवायी जा रही है। पिछड़ा वर्ग पोस्ट-मैट्रिक के 500 सीटर कन्या छात्रावास की संख्या भी 2 है, जिनमें एक हजार छात्राओं को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध करवायी जा रही है। पिछड़ा पोस्ट-मैट्रिक के 100 सीटर बालक छात्रावास की संख्या 51 है, जिनमें 5100 छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध करवायी जा रही है। पिछड़ा वर्ग पोस्ट-मैट्रिक के कन्या एवं बालक छात्रावासों में निःशुल्क आवासीय सुविधा उपलब्ध करवायी जा रही है। इन छात्रावासों में मेस सुविधा (भोजन व्यवस्था) शुरू करने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है। वर्तमान में वर्ष 2024-25 में पिछड़ा वर्ग पोस्ट-मैट्रिक के कन्या छात्रावास की स्वीकृत 3750 सीट में से 2253 छात्राओं ने छात्रावास में प्रवेश लिया था, जबकि पोस्ट-मैट्रिक के बालक छात्रावास के कुल स्वीकृत 5100 सीट में 3212 छात्रों ने प्रवेश लिया था।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा गत डेढ़ वर्ष में 3 हजार 756 पदों पर भर्ती

भोपाल। म.प्र.लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेश लाल मेहरा ने बताया कि आयोग द्वारा दिसम्बर 2023 से अभी तक वर्ष 2019 से 2022 की अवधि के दौरान जारी 75 विज्ञापनों में शामिल 4 हजार 492 पदों के विरूद्ध 3 हजार 756 उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए संबंधित विभागों को अनुशंसा पत्र भेजे हैं। इस अवधि के दौरान, आयोग ने 81 भर्ती विज्ञापन जारी किए, जिनके माध्यम से आगामी महीनों में 5,562 पद भरे जाएंगे। वर्तमान में 5317 पदों के लिए 61 भर्ती प्रक्रियाएं चल रही हैं। आयोग जारी वार्षिक परीक्षा कैलेंडर का पालन करते हुए भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। उपरोक्त सभी परिणाम मध्य प्रदेश शासन एवं उच्च न्यायालय के कुल विज्ञापित पदों में से 87% पदों के परिणाम घोषित करने के निर्देशों के अनुपालन में घोषित किए गए हैं। आयोग के सचिव प्रबल सिपाहा ने बताया कि आयोग द्वारा उक्त अवधि में 3 राज्य सेवा परीक्षा - 2019, 2021, 2022 के लिए 1,109 पदों और 3 राज्य वन सेवा परीक्षा के लिए 200 पदों के लिए अंतिम चयन परिणाम घोषित किए गए। संबंधित विभागों को संस्तुतियां शीघ्र भेजी गईं, जिससे चयनित अभ्यर्थियों को विभिन्न विभागों में शीघ्र कार्यभार ग्रहण कराने में सुविधा हुई। उपर्युक्त अवधि में राज्य सेवा परीक्षा के माध्यम से सामान्य प्रशासन एवं गृह विभाग को क्रमशः 72 डिप्टी कलेक्टर एवं 51 उप पुलिस अधीक्षक के पदों के लिए संस्तुतियां भेजी गईं।

जलगंगा संवर्धन अभियान से पुनर्जीवित हुई भोपाल की 'बड़े बाग़ की बावड़ी', विरासत से विकास की ओर - एक बावड़ी की पुनर्रचना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रारंभ किए गए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत, भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर 'बड़े बाग़ की बावड़ी' को एक नया जीवन मिला है। यह सफलता केवल जल संरचना के पुनरुद्धार की नहीं, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पर्यावरण संरक्षण दृष्टिकोण और जल संरक्षण को लेकर प्रतिबद्ध नेतृत्व ने इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया है। नवाब वज़ीर मोहम्मद खान द्वारा करीब 200 वर्ष पूर्व निर्मित यह बावड़ी आकार में भोपाल की सबसे बड़ी बावड़ी है, जिसका कुल क्षेत्रफल 32 एकड़ और गहराई 60 फीट है। यह बावड़ी नवाब वज़ीर मोहम्मद खान और नवाब कुदसिया बेगम के मकबरों के मध्य स्थित है और स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है। प्रशासन एवं नगर निगम भोपाल द्वारा इस बावड़ी की सफाई, सिल्ट हटाने, खरपतवार उन्मूलन, दीवारों और सीढ़ियों की मरम्मत, रंगाई-पुताई तथा सुरक्षा जाली लगाने जैसे कार्य तेज़ी से किए गए। लगभग 40 क्यूबिक मीटर सिल्ट हटाने और जल ग्रहण क्षमता को 2000 लीटर प्रति घंटा तक पहुँचाने के बाद, यह संरचना फिर से उपयोग में लाई जा रही है।

औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार की नई कहानी लिखेगा मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रतलाम में 27 जून को RISE-2025 कॉन्क्लेव का करेंगे शुभारंभ

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 27 जून को रतलाम में रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट (RISE-2025) कॉन्क्लेव का शुभारंभ करेंगे। कॉन्क्लेव प्रदेश के औद्योगिक, आर्थिक और सामाजिक विकास को नये आयाम देगा। यह आयोजन निवेश, रोजगार, कौशल विकास और हितग्राहीमूलक योजनाओं के समावेशी मॉडल को साकार करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव औद्योगिक परियोजनाओं का लोकार्पण-भूमिपूजन, ऋण वितरण, एमओयू हस्ताक्षर, रोजगार मेले का शुभारंभ और हितग्राहियों से संवाद करेंगे।

27 इकाइयों को भूमि आवंटन और आशय पत्र वितरण

कॉन्क्लेव में 27 नई औद्योगिक

इकाइयों को भूमि आवंटन और आशय पत्र प्रदान किए जाएंगे, जिससे रतलाम और मालवा अंचल में निवेश का मजबूत वातावरण तैयार होगा।

858.57 करोड़ रु. की 18 औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण-भूमि-पूजन... *RISE-2025 कॉन्क्लेव में रतलाम एवं आसपास के क्षेत्रों में 858.57 करोड़ रु. लागत की 18 औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण और भूमि-पूजन होगा। इन इकाइयों से लगभग 3 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा।*

2,419 करोड़ रु. से अधिक राशि के ऋण वितरण की कार्यवाही

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रधानमंत्री स्वनिधि, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, स्टेंडअप इंडिया और अन्य स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को 2 हजार 419 करोड़ रु. से अधिक राशि के ऋण वितरण करेंगे।

2 लाख से अधिक हितग्राही होंगे लाभांवित

RISE-2025 कॉन्क्लेव में 2 लाख से अधिक हितग्राहियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा इसमें स्वरोजगार, सामाजिक सुरक्षा, महिला-बाल विकास, पेंशन, कृषक सहायता, कौशल प्रशिक्षण और अन्य लोकहित योजनाएं शामिल हैं।

2.96 करोड़ रु. की डीबीटी राशि हितग्राहियों को ट्रांसफर होगी

कार्यक्रम में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से 2.96 करोड़ रु. की राशि सीधे हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जाएगी, जिससे योजनाओं की पारदर्शिता और प्रभावशीलता का स्पष्ट संदेश जाएगा।

राज्य क्लस्टर विकास योजना के तहत 5 ग्रामोद्योग इकाइयों का भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव खादी तथा ग्रामोद्योग विभाग की राज्य क्लस्टर विकास योजना के अंतर्गत 5 इकाइयों का भूमि-पूजन करेंगे। यह इकाइयां स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक हुनर को औद्योगिक संरचना से जोड़ने का कार्य करेंगी।

रीवा, सागर, अलीराजपुर और पीथमपुर से कॉन्क्लेव का वर्चुअल कनेक्शन

कॉन्क्लेव को रीवा, सागर, अलीराजपुर और पीथमपुर से वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जोड़ा जाएगा। इससे ?????? अभियान को राज्यव्यापी स्वरूप मिलेगा और जिला स्तर पर भी औद्योगिक पहलों को बल मिलेगा।

तीन जिलों के डीटीआईसी कार्यालयों का लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कॉन्क्लेव में 3 जिलों निवाड़ी, आगर-मालवा और रायसेन के 4.22 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र (डीटीआईसी) कार्यालयों का लोकार्पण करेंगे।

भोपाल में मकान का हिस्सा ढहा, युवक की मौत

टीकमगढ़ में बिजली गिरने से 16 बकरियों की जान गई

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश के ज्यादातर जिलों में बुधवार को भी बारिश जारी रहा। भोपाल के टीटी नगर इलाके में पुराने एमएलए क्वार्टर्स में बने एक जर्जर मकान का हिस्सा अचानक गिर गया। मलबे में दबने से एक युवक की मौत हो गई। भोपाल में बुधवार को सुबह से ही रुक-रुककर बारिश हो रही है।

टीकमगढ़ जिले के पलेरा थाना क्षेत्र के लारौन गांव में बुधवार दोपहर खेत में बिजली गिरने से 16 बकरियों की मौत हो गई, जबकि चार झुलस गईं। बकरियां खेत के पास पत्ते खाने गईं थी। इंदौर में भी कई इलाकों में तेज बारिश हुई। सीहोर के आष्टा के बुधवारा में 1 फीट तक पानी भर गया। कटनी के पान उमरिया में लगातार बारिश से बेलकुंड नदी का पानी गर्राघाट पुल पर करीब 10 फीट ऊपर से बह रहा है। खरगोन में नर्मदा तटों पर पानी बढ़ रहा है।

बुधवार को प्रदेश के 26 जिलों में बारिश हुई। सतना में सबसे ज्यादा 2.2 इंच पानी गिरा। छतरपुर के खजुराहो में 1.7 इंच, भोपाल में 1.4 इंच, खरगोन में 1 इंच, छतरपुर के नौगांव और सीधी में आधा इंच बारिश हुई।

वहीं, दतिया, बैतूल, गुना, ग्वालियर, नर्मदापुरम, इंदौर, रतलाम, शिवपुरी, उज्जैन, छिंदवाड़ा, जबलपुर, मंडला, नरसिंहपुर, रीवा, उमरिया, सीहोर, कटनी, टीकमगढ़, श्योपुर, शाजापुर, धार, डिंडौरी में भी बारिश का दौर जारी रहा। मौसम विभाग ने रात में भी कई जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।

सीहोर में गाड़ियां आधी डूबीं

भोपाल में 50 साल पुराने मकान का हिस्सा ढहा, युवक की मौत

भोपाल के टीटी नगर क्षेत्र के पुराने एमएलए क्वार्टर्स में बने एक सरकारी जर्जर मकान का कुछ हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। उसमें एक युवक की दबकर मौत हो गई। टीटी नगर एसडीएम अर्चना शर्मा ने बताया कि मानसिक रूप से कमजोर युवक मलबे के नीचे दब गया। मकान करीब 50 साल पुरानी है। इसे डिसमेंटल कर रहे हैं।

खरगोन में बारिश से नर्मदा घाटों पर पानी बढ़ा... *खरगोन में बारिश से नर्मदा नदी में पानी बढ़ गया है। बुधवार को अमावस्या होने से नर्मदा घाटों पर श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। यहां सुरक्षा को लेकर पुलिस जवान भी तैनात हैं। 24 घंटे में महेश्वर में 10 मिमी, बड़वाह और सनावद में 7 मिमी बारिश हुई। अब तक इस सीजन में जिले की औसत लगभग 4 इंच के आसपास बारिश हो चुकी है। जो पिछले साल से आधा इंच ज्यादा है।*

टीकमगढ़: आकाशीय बिजली गिरी, 16 बकरियों की मौत

टीकमगढ़ जिले के पलेरा थाना क्षेत्र के लारौन गांव में बुधवार दोपहर खेत में बिजली गिरने से चपेट में आई 16 बकरियों की मौत हो गई, जबकि चार झुलस गईं। पशुपालक प्रेमनारायण कुशवाहा ने बताया कि एक दर्जन से ज्यादा बकरियां खेत के पास पत्ते खाने गईं थी। सूचना मिलते ही आसपास के लोग आ गए। ग्रामीणों ने पशु चिकित्सा अधिकारी को सूचना दी। पीड़ित पशुपालक को मुआवजा दिए जाने की मांग भी की है।

आलीराजपुर-झाबुआ समेत 10 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने आलीराजपुर, झाबुआ, धार, कटनी, उमरिया, मैहर, डिंडौरी, अनूपपुर के अमरकंटक, छतरपुर के खजुराहो और मंडला में आकाशीय बिजली गिरने-चमकने के साथ भारी बारिश जारी रहने की संभावना जताई है। साथ ही आगर-मालवा, बैतूल, छिंदवाड़ा, देवास, इंदौर, रतलाम, सिवनी, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, शहडोल में मध्यम बारिश जारी रह सकती है। सतना, पन्ना, जबलपुर, बालाघाट, हरदा, सीहोर, खंडवा, देवास, नर्मदापुरम, पांढुर्ना, नीमच, मंदसौर, सागर, बड़वानी, उज्जैन, खरगोन, सतना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, रीवा, श्योपुर, भिंड, मुरैना, शिवपुरी में रात के समय बिजली चमकने के साथ हल्की आंधी चल सकती है।

गुना में दुर्घटना स्थल पर पहुंचे मंत्री राजपूत

- मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की सहायता
- घटना की जांच के आदेश

विजय मत, भोपाल

गुना जिले के राघौगढ़ क्षेत्र के गांव धरनावदा में घटित दुर्घटना के बाद जिले के प्रभारी एवं खाद्य, नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत मंगलवार रात में ही गुना पहुंचें। उन्होंने बुधवार सुबह प्रशासनिक अधिकारियों के साथ घटना स्थल का दौरा किया। राजपूत ने पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें ढाढस बंधाया। मंत्री राजपूत ने बताया कि घटना के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्यवाही प्रारंभ की और मुख्यमंत्री जी को घटना के संबंध में अवगत करवाया गया। घटना बहुत ही दुखद है। राज्य सरकार दुःख की इस घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत की। प्रभारी मंत्री ने कहा कि घटना की जांच के आदेश दिए गए है ताकि घटना के सही कारणों का पता चल सके।

एक वर्ष में मालवा-निमाड़ के बिजली उपभोक्ताओं को 9161 करोड़ की सब्सिडी

भोपाल। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी राज्य शासन की जनहितैषी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर औसत 46.72 लाख उपभोक्ताओं को प्रतिमाह लाभान्वित कर रही है। इसी बारह माह के दौरान कुल 9161 करोड़ रूपए की सब्सिडी दी गई है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि शासन का उद्देश्य बिलों में राहत प्रदान करना और प्रदेश के विकास में निर्बाध बिजली के माध्यम से भूमिका निभाना है।

ग्वालियर उच्च न्यायालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना की माँग को लेकर कांग्रेस का संविधान सत्याग्रह और उपवास कार्यक्रम सम्पन्न

विजय मत, भोपाल

आज ग्वालियर में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा संविधान सत्याग्रह और एक दिवसीय उपवास का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को ग्वालियर उच्च न्यायालय परिसर में स्थापित किए जाने की माँग के समर्थन में आयोजित किया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों, संगठन पदाधिकारियों एवं संविधान प्रेमियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर बाबा साहब के विचारों और भारतीय संविधान की मूल भावना की रक्षा का संकल्प लिया।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, सीडब्ल्यूसी सदस्य कमलेश्वर पटेल, सीईसी सदस्य ओमकार मरकाम, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, प्रदेश सह प्रभारी संजय दत्त, उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, पूर्व नेता प्रतिपक्ष डा. गोविन्द सिंह, पूर्व विस अध्यक्ष हक्कप्रजापति, पूर्व मंत्रीगण सज्जन सिंह वर्मा, जयवर्धन सिंह, लखन घनघोरिया, लाखन सिंह यादव, विधायकगण सर्वफुलसिंह बरैया, फुंदेलाल

मार्को, दिनेश गुर्जर, सुरेश राजे, सतीश सिकरवार, साहेब सिंह गुर्जर, पंकज उपाध्याय, मुकेश मल्होत्रा, बाबू जंडेल, देवेंद्र सखवार, कैलाश कुशवाह, नितेंद्र सिंह राठौर, केशव देसाई, पूर्व विस उपाध्यक्ष हिना कांवरे, पूर्व विधायक प्रवीण पाठक, प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा, संजीव सक्सेना, मीडिया विभाग अध्यक्ष मुकेश नायक, युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह, अनुसूचित जाती विभाग अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार, जिला कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा, ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रभुदयाल जोहरे जी सहित, संगठन पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भोपाल शहर में सड़क सुरक्षा को लेकर विभिन्न एजेंसियों की हुई बैठक

भोपाल। भोपाल शहर में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं सड़क सुरक्षा को लेकर बुधवार को आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री संकेत भोंडवे की अध्यक्षता में पालिका भवन में बैठक हुई। बैठक में विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं जैसे गृह, लोक निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण, मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, स्मार्ट सिटी, नगर निगम भोपाल, कलेक्टर कार्यालय भोपाल, मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (स्क्र) के प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक में आयुक्त नगरीय प्रशासन ने भोपाल शहर में विभिन्न सड़क निर्माण एजेंसियों द्वारा बनायी जा रही सड़कों की संरचना एवं संकेतकों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने एजेंसियों के प्रतिनिधियों से कहा कि राजधानी भोपाल की सड़कें सुरक्षा मानकों के अनुरूप होना चाहिये। उन्होंने इण्डियन रोड कांग्रेस के दिशा-निर्देश के अनुसार संकेत एवं मॉर्किंग अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिये।

राज्यमंत्री गौर ने गोविंदपुरा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

विजय मत, भोपाल

पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने बुधवार को गोविंदपुरा क्षेत्र की बस्तियों में 74 लाख रुपए लागत से नाली निर्माण का भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने नालियों की सफाई, ट्रंक लाइन डालने और कबाड़ हटाने के निर्देश भी दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने वर्षा ऋतु की संभावित चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए गोविंदपुरा क्षेत्र के वार्ड 73 चांदवाड़ी में नाली सफाई कार्य का निरीक्षण कर अधिकारियों को समयबद्ध सफाई के निर्देश दिए। जनसंपर्क के दौरान रहवासियों की समस्याओं को जाना और समाधान सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया। चांदबाड़ी में 16 लाख की लागत से तैयार हो रहे नवनिर्मित आंगनवाड़ी स्कूल का निरीक्षण किया और इसे जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

शिवनगर फेस-1 में 10 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सड़क और नाली निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। जोन-16 छोटे जिंद बाबा के पास शिवनगर में सीसी रोड एवं आरसीसी नाली निर्माण लागत 26 लाख कार्य का भूमि-पूजन किया। शिवनगर फेस 1, 2, 3 में आरसीसी नाली निर्माण लागत 19 लाख कार्य का भूमि-पूजन किया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने वार्ड में स्ट्रीट लाइट, पेयजल से जुड़ी नागरिक सुविधाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विजय मत एंकर — प्रदेश में अमृत योजना में 12 हजार करोड़ रूपये के कार्य प्रगति पर

नगरीय निकायों में हरित क्षेत्र विस्तार पर जनप्रतिनिधि विशेष ध्यान दें

विजय मत, भोपाल

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने मंगलवार को भोपाल के पालिका भवन में प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों के अध्यक्षों के साथ बैठक की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से शहरी क्षेत्र में विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में सफाई कामगार आयोग के अध्यक्ष प्रताप करोसिया भी मौजूद थे।

आयुक्त नगरीय प्रशासन ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में पर्यावरण के संतुलन के लिये हरित क्षेत्र के विस्तार की आवश्यकता है। इसके साथ ही नगरीय क्षेत्रों में पार्कों के रख-रखाव की तरफ भी नियमित रूप से देखभाल किये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अमृत योजना के अंतर्गत 12 हजार करोड़ रूपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य प्रगति पर हैं। आयुक्त ने कहा कि नगरीय निकायों में नियमित कर संग्रहण पर ध्यान दिया जाये। कर संग्रहण में सूचना प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग किया जाए।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकाय होंगे पुरस्कृत

आयुक्त भोंडवे ने विभाग की कर संग्रहण प्रोत्साहन पुरस्कार योजना की जानकरी जनप्रतिनिधियों से साझा की। उन्होंने बताया कि कर संग्रहण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकायों को 100 करोड़ रूपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की जायेगी। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने शहरी क्षेत्रों की भूमि पर वर्षों से रह रहे नगरवासियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिये जाने का सुझाव दिया।

कार्यालयों में उपस्थिति में भी हो तकनीक का उपयोग

आयुक्त भोंडवे ने कहा कि नगरीय निकाय में उचित प्रबंधन के लिये अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिये फेस रिकग्निशन अटेंडेंस सिस्टम (एफआरएएस) लागू की जाये और इसमें पूरी पारदर्शिता रखी जाये। उन्होंने हाल ही में राज्य सरकार के पदोन्नति संबंधी आदेश की जानकारी भी साझा की। आयुक्त ने कहा कि इस आदेश से निकायों में सफाई मित्र, माली जैसे आवश्यक पदों पर पदोन्नति और नई नियुक्तियां की जा सकेंगी।

महाकाल के दर पर पहुंचे सुधांशु त्रिवेदी, बोले-

बाबा के दर्शन से मिली आध्यात्मिक अनुभूति

विजय मत, ब्यूरो, उज्जैन

उत्तरप्रदेश से राज्यसभा सांसद व भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने अपने उज्जैन प्रवास के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन किए। यहां उन्होंने चांदी द्वार से बाबा महाकाल का पूजन, अर्चन व दर्शन किए। इसके बाद नंदी हाल में पहुंचकर नंदी जी के कानों में अपनी मनोकामना भी कही।

महाकालेश्वर मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी बुधवार को बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन आए थे। जहां

उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर के पुजारी पंडित आशीष शर्मा द्वारा पूजन अर्चन कर संकल्प दिलवाया गया। इस दौरान सुधांशु त्रिवेदी नंदी हॉल मे बाबा महाकाल की भक्ति में लीन दिखाई दिए। यहां उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन करने के साथ ही नंदी जी का पूजन किया और उनके कानों में मनोकामना भी कही।

बुमराह के दूसरे टेस्ट में खेलने पर फैसला ब्रेक के बाद लिया जाएगा: शुभमन

हेडिंग्ले, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम की इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में हार के बाद एक बार फिर ये सवाल उठा है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दूसरा टेस्ट खेलेंगे या नहीं ? बुमराह को लेकर सीरीज के पहले ही कहा गया था कि वह तीन टेस्ट ही खेलेंगे जिससे उनपर अधिक बोझ न पड़े। पहले टेस्ट में बुमराह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाज असफल रहे थे। ऐसे में बुमराह दूसरा टेस्ट नहीं खेलते तो भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। वहीं जब कप्तान शुभमन गिल से बुमराह के दूसरे मैच में खेलने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'बुमराह की उपलब्धता पर मैच दर मैच फैसला लिया जाएगा। दूसरे टेस्ट मैच के शुरू होने में अभी 7 दिन का समय है। लंबे ब्रेक के बाद जब हम अगले मैच की तरफ जाएंगे तब देखेंगे क्या करना है।'

शुभमन ने टीम की हार का कारण कमजोर गेंदबाजी और खराब फील्डिंग को दिया जिसका का पूरा लाभ उठाते हुए मेजबान टीम केबेन डकेट ने शानदार लगा दिया जिससे इंग्लैंड ने 371 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। डकेट ने 170 गेंद में 21 चौकों और एक छक्के की मदद से 149 रन बनाए जबकि जैक क्रॉली ने 65 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 188 रन बनाकर अपनी टीम को जीत तय कर दी। इसके बाद जो रूट ने 53 और जैमी स्मिथ ने 44 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। पांच मैचों की सीरीज में अब इंग्लैंड 1-0 से आगे है। भारत की ओर से इस मैच में पांच शतक बने पर इसके बाद भी टीम को हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम ने कई कैच गिराये। बुमराह को दूसरे छोर से गेंदबाजी में सहयोग नहीं मिल पाने से भी भारत की मुश्किलें बढी।

हीली अभी नहीं लेंगी संन्यास

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने कहा है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है और वह इसी साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के बाद भी खेलती रहेंगी। 35 साल की इस क्रिकेटर ने कहा है कि वह साल 2026 में भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज तक तो रहेंगी ही। हीली पिछले साल से ही लगातार चोटों से परेशान रही हैं, टी20 विश्व कप के दौरान उनके पैर में स्ट्रेस फ्रेक्चर भी हुआ था। इसके बाद घुटने में दर्द के कारण उन्हें कई मैचों से बाहर होना पड़ा। हीली ने माना है कि पहले वह इस साल भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के बाद संन्यास लेने का सोच रहीं थीं पर अब उनका इरादा बदल गया है।

फुटबॉल

पेनसिलविनिया में फीफा क्लब विश्व कप फुटबॉल में खेलती हुई टूयनिस और चेलेसा की टीमें।

ऋषभ इस सीरीज के अंत तक तोड़ सकते हैं द्रविड़ का रिकार्ड: मांजरेकर

लीड्स। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से ऋषभ खेल रहे हैं। उससे वह इस सीरीज के अंत तक इंग्लैंड में सबसे ज़्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन सकते हैं। अभी ये रिकार्ड राहुल द्रविड़ के नाम है। ऋषभ ने पहले टेस्ट की दोनो ही पारियों में शतक लगाये हैं। इससे ऋषभ के इंग्लैंड में टेस्ट शतकों की संख्या 4 हो गई है, जो द्रविड़ 6 शतक से सिर्फ 2 कम है, और मांजरेकर को लगता है कि सीरीज में चार टेस्ट शेष रहने पर वह इंग्लैंड में सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने के लिए पूर्व कप्तान की बराबरी कर सकते हैं या उनसे आगे निकल सकते हैं। उन्होंने कहा, ऋषभ इस टेस्ट टीम में विकेटकीपर के रूप में भारत की पहली और आखिरी पसंद हैं। अब अगर आप संख्याओं को देखें तो इंग्लैंड में टेस्ट में भारतीयों द्वारा सबसे अधिक 6 शतक साथ द्रविड़ सबसे आगे हैं। अचानक आपके पास उसी विशिष्ट वर्ग में ऋषभ का नाम है। उन्होंने कहा, आपके पास केएल राहुल हैं और आपके पास ऋषभ हैं।

विराट ने पहले ही संन्यास की जानकारी बीसीसीआई को दे दी थी : गांगुली

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने खुलासा किया है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की बात भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को पहले ही पता थी। गांगुली ने हालांकि कहा कि संन्यास का फैसला पूरी तरह से विराट का था और उनपर किसी प्रकार का दबाव नहीं था। साथ ही कहा कि कोहली ने संन्यास की घोषणा के चार दिन पहले ही बता दिया था कि वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने विराट को अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए भी कहा था पर वे नहीं माने।

गांगुली ने बताया कि कोहली ने यह फैसला खुद लिया था। संन्यास को लेकर उन पर किसी तरह का दबाव नहीं था। विराट ने ऑस्ट्रेलिया के निराशाजनक दौरे के बाद घरेलू क्रिकेट में वापसी की थी। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया था। इसके बाद उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से अनाचक संन्यास लेने के फैसले ने कई लोगों को हैरान किया था। गांगुली भी उनमें से एक थे। कोहली ने पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। ऐसे में सभी को उम्मीद थी कि वे कुछ और सालों तक टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में गांगुली ने कहा कि हर अच्छी चीज का अंत होता है।

गांगुली ने अपने खेल से संन्यास लेने के बारे में भी बात की। उन्होंने कोहली के फैसले और अपने फैसले में समानता बताई। उन्होंने 37 साल की उम्र में टेस्ट से संन्यास ले लिया था।

नीरज ने ओस्ट्रावा गोल्डन इस्पाइक एथलेटिक्स में स्वर्ण जीता

ओस्ट्रावा। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य में हुए 64वें ओस्ट्रावा गोल्डन इस्पाइक एथलेटिक्स एथलेटिक्स टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता है। नीरज ने पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में अपने तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर भाला फेंककर पहला स्थान हासिल किया। वहीं दक्षिण अफ्रीका के डौव स्मिट 84.12 मीटर भाला फेंककर दूसरे जबकि ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.63 मीटर भाला फेंककर तीसरे स्थान पर रहे। नीरज की यह सत्र की तीसरी जीत रही। इससे पहले वह पोटचेफ्स्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका) में 84.52 मीटर भाला फेंककर और पेरिस डायमंड लीग - में 88.16 मीटर भाला फेंककर पहले स्थान पर रहे थे। इस सत्र में नीरज अब तक एक बार ही 90 मीटर के आंकड़े तक पहुंच पाये हैं। डोहा डायमंड लीग में नीरज ने पहली बार 90.23 मीटर भाला फेंककर 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था।

टीम नहीं जीती तो व्यक्तिगत उपलब्धियों का मतलब नहीं: गौतम गंभीर

लीड्स, एजेंसी

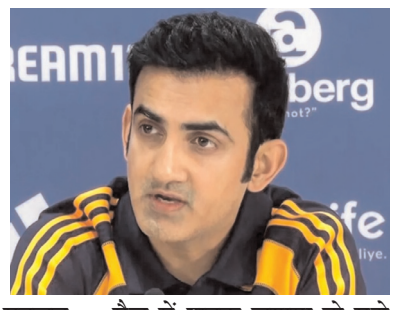

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के दो शतक को लेकर कहा कि अगर टीम जीत नहीं पाती है तो व्यक्तिगत उपलब्धियों का कोई मतलब नहीं रह जाता। वहीं जब उनसे इंग्लैंड के हाथों पहले टेस्ट में मिली हार के बीच भी सकारात्मक बातों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सबसे अहम परिणाम होता है जो टीम अपने पक्ष में नहीं ला पायी। वहीं गंभीर से जब ऋषभ के दो शतकों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा ,''तीन और शतक बने थे। ये सब सकारात्मक बातें हैं।''

वहीं मैच के सकारात्मक पहलुओं के बारे में पूछने पर गंभीर ने कहा ,''अगर आप कहते कि यशस्वी जायसवाल ने शतक जमाया और शुभमन गिल ने कप्तान के तौर पर पहले ही मैच में शतक लगाया तो मुझे अच्छा लगता। इसके अलावा केएल राहुल ने भी शतक लगाया और ऋषभ ने दो शतक लगाये। एक टेस्ट में पांच शतक बड़ी बात है। यह सवाल बेहतर हो सकता था।'' कोच ने कहा कि अगर टीम हारती है तो व्यक्तिगत उपलब्धियां काम नहीं आतीं। उन्होंने हालांकि कहा ,''ये सब सकारात्मक पक्ष हैं। जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिये पर अंत में तो टीम हार ही गयी।'' उन्होंने कहा , ''व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छी बात है। हमें शीर्ष छह से बड़ी पारियां चाहिये थी पर अंत में तो हम टेस्ट मैच जीत नहीं सके। अब हमें इससे सीख लेकर आगे बढ़ना होगा।''

बिजनेस

भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर: पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है और उम्मीद है कि अगले 3 वर्षों में यह लक्ष्य हासिल होगा। उन्होंने कहा कि 2027 तक हमें दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि सभी हितधारक सरकार, व्यापार समुदाय, उद्योग, व्यापार और करोड़ भारतीय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण से गहराई से जुड़े हुए हैं।

एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने वृद्धिशील प्रगति पर नहीं, बल्कि परिमाणात्मक परिवर्तन काम किया है और इससे न केवल विकास पर बल्कि इंक्लूसिव, सस्टेनेबल और ऑनेस्ट ग्रोथ पर ध्यान केंद्रित किया है।

भारत की आर्थिक मजबूती को लेकर केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि देश कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं से निकलकर दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है।

उन्होंने कहा, हमारे पास मजबूत मैक्रोइकॉनोमिक आधार है। हमारी बैंकिंग प्रणाली मजबूत और सुदृढ़ है, इसमें उधार देने की उच्च क्षमता है। हमारी मुद्रास्फीति भारत में अब तक देखी गई सबसे कम मुद्रास्फीति में से एक है, जो कि फिर से 3 प्रतिशत तक नीचे आ गई है।

मोदी सरकार ने भारतीय विकास के अनुरूप विकास हासिल करने पर ध्यान केंद्रित किया है तथा वह सेवा, सुशासन और नवाचार में विश्वास रखती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने भारतीय कहानी के लिए संतुलित विकास हासिल करने पर ध्यान केंद्रित किया है, जो सेवा, सुशासन और नवाचार में विश्वास करती है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, इतिहास हमें याद दिलाता है कि महान अर्थव्यवस्थाएं शांत पानी में नहीं बनती हैं।

सेंसेक्स 700 अंक चढ़कर 82,756 पर बंद, निफ्टी भी 200 अंक चढ़ा

एनएसई के आईटी, ऑटो और रियल्टी सहित सभी सेक्टर्स चढ़े

मुंबई, एजेंसी

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन आज यानी बुधवार, 25 जून को सेंसेक्स 700 अंक चढ़कर 82,756 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 200 अंक की तेजी है, ये 25,245 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में तेजी रही। टाइटन, महिंद्रा और इंफोसिस सहित कुल 16 शेयरों में 1-3.75 प्रतिशत की तेजी रही। BEL में 1 प्रतिशत की गिरावट रही।

निफ्टी के 50 में से 42 शेयरों में तेजी रही। एनएसई के सभी सेक्टर्स चढ़कर बंद हुए। ऑटो, आईटी, मीडिया और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2 प्रतिशत तक की तेजी रही। 24 जून को विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 5,266.01 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे। जबकि, घरेलू निवेशकों ने 5,209.60 करोड़ रुपए की खरीदारी की। जून महीने में अब तक विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में?3,243.18 करोड़ की बिकवाली की है। जबकि, घरेलू निवेशकों ने 67,587.67 करोड़ की नेट खरीदारी है।

मई महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 11,773.25 करोड़ रुपए रही। वहीं, घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में 67,642.34 करोड़ की नेट खरीदारी की थी। मंगलवार को दिन के ऊपरी स्तर से 1000 अंक गिरा था बाजार

इजराइल-ईरान सीजफायर के बाद मंगलवार, 24 जून को सेंसेक्स करीब 158 अंक चढ़कर 82,055 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 72 अंक की तेजी रही, ये 25,044 के स्तर पर बंद हुआ। दिन ने 83,018 के ऊपरी स्तर से सेंसेक्स 963 अंक गिरा। निफ्टी भी डे-हाई से 273 अंक गिरकर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 25,317 के स्तर तक पहुंच गया था।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में तेजी रही। अडाणी पोर्ट्स 2.6 प्रतिशत चढ़ा। अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और कोटक महिंद्रा बैंक से शेयर्स 1.5 प्रतिशत तक चढ़े हैं। पावर ग्रिड, NTPC और ट्रेंट में 1.5 प्रतिशत की गिरावट रही। निफ्टी के 50 में से 36 शेयरों में तेजी रही। सरकारी बैंकों के शेयर्स और मेटल में करीब 1.5 प्रतिशत की तेजी रही। मीडिया 1 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ।

गूगल ने 'एआई मोड इन सर्च' भारत में किया लॉन्च, अब यूजर्स लंबे और जटिल पूछ सकेंगे सवाल

नई दिल्ली। गूगल ने भारत में अपने नए एआई-संचालित सर्च फीचर 'एआई मोड इन सर्च' की शुरुआत कर दी है। इस फीचर का पहले अमेरिका में परीक्षण किया जा चुका है और अब भारत में इसे गूगल लैंस के तहत एक प्रयोग के रूप में उपलब्ध कराया है। यह अंग्रेजी भाषा में ही इस्तेमाल किया जा सकता है। गूगल का दावा है कि यह फीचर लोगों के सर्च करने के तरीके को पूरी तरह से बदल देगा, क्योंकि अब यूजर्स लंबे और जटिल सवाल पूछ सकेंगे और उन्हें एआई द्वारा तैयार किए गए जवाब भरोसेमंद स्रोतों के लिंक के साथ मिलेंगे। यह नया फीचर गूगल के मल्टीमॉडल एआई मॉडल जेमिनी 2.5 पर आधारित है। यूजर्स केवल टेक्स्ट ही नहीं, बल्कि गूगल लैंस के जरिए फोटो लेकर या अपलोड करके भी सवाल पूछ सकते हैं जैसे- कोई पौधे की फोटो लेकर उसकी देखभाल के तरीके पूछ सकता है, या फिर किसी टूटे सामान की तस्वीर भेजकर उसकी मरम्मत की सलाह ले सकता है। यह सुविधा एंड्रॉयड और आईओएस दोनों पर गूगल ऐप में उपलब्ध है। गूगल का कहना है कि यह फीचर खासतौर पर उन जटिल सवालों के लिए है जिनके लिए पहले कई बार सर्च करना पड़ता था। चाहे स्मार्टफोन की तुलना करनी हो, ट्रिप प्लान करना हो या घरेलू काम सीखना हो- एआई मोड एक ही बार में विस्तृत जवाब देगा। साथ ही फॉलो-अप सवालों के लिए सुझाव और लिंक भी प्रदान करेगा। गूगल के मुताबिक यूजर्स अब दो से तीन गुना लंबी क्वेरी डाल रहे हैं, जिससे साबित होता है कि सर्च अब ज्यादा नेचुरल और डीटेल्ड दे रहा है।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ ही 86.08 रुपये पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 86.05 पर बंद हुआ था। रुपये में ये बढ़त तेल की कीमतों में गिरावट से आई हैं। इससे पहले गत दिवस सुबह डॉलर के मुकाबले रुपया 64 पैसे मज़बूत होकर 86.11 पर पहुंचा, जो सोमवार को 86.75 पर बंद हुआ था। यह 13 मई के बाद रुपया की सबसे बड़ी शुरुआती तेज़ी रही है। हालांकि जून महीने में अब तक रुपया कुल 0.61 फीसदी गिर चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान और इजराइल के बीच पूर्ण सीज़फायर की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। इससे भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों को राहत मिली है।

मंडी में हरे धनिया की भरपूर आवक फिर भी किसान हो रहा परेशान

नई दिल्ली। बाजार में धनिया की भारी आवक से इसकी कीमतों में भारी गिरावट देखी गई। जैसे-जैसे कीमतें कम हो रही हैं, किसानों की समस्याएं बढ़ रही हैं। इस समय मंडियों में धनिया 35 से 40 रुपए किलो बिक रहा है जबकि इस दाम में किसानों को मेहनताना तक भी नहीं मिल पा रहा है। जौनसार बावर क्षेत्र में हरे धनिया की आवक हो रही है। क्षेत्र के किसान पिछले कुछ सालों से नगदी फसलों के साथ-साथ हरे धनिए का भी उत्पादन कर रहे हैं, लेकिन मंडी में धनिया की कीमत को लेकर किसानों की परेशानी बनी हुई है। हालत यह हैं कि किसानों को इसे मंडियों में लाने की लागत भी नहीं मिल रही है। किसानों का कहना है कि इस दाम में किसानों को निराई, गुड़ाई और बाजार तक अपने उत्पादन को पहुंचाने के बाद भी उचित दाम नहीं मिल रहे हैं, जबकि पिछले साल 100 से 150 रुपए प्रति किलो मंडियों में किसानों द्वारा हरा धनिया बेचा गया था, लेकिन इस बार किसान अपनी लागत भी नहीं निकाल पा रहे हैं। इससे कई निराश किसान अपनी उपज मंडी नहीं ले जा रहे हैं।

तीन नए मॉडल लॉन्च करने जा रही है किआ मोटर्स

नईदिल्ली। आने वाले महीनों में किआ मोटर्स कंपनी भारतीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए तीन नए मॉडल लॉन्च करने जा रही है। इनमें इलेक्ट्रिक और अपडेटेड वैरिएंट दोनों शामिल हैं, जिन्हें पहले ही टेस्टिंग के दौरान भारत की सड़कों पर कई बार देखा जा चुका है। कंपनी की योजना भारतीय ग्राहकों को तकनीक, रेंज और परफॉर्मेंस का बेहतर कॉम्बिनेशन देने की है। सबसे पहले किआ कैरेंस क्लैविस ईवी को जुलाई 2025 में बाजार में उतारा जाएगा। यह एक इलेक्ट्रिक एमपीवी होगी, जो नई क्लैविस से प्रेरित डिजाइन में आएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह ईवी एक बार फुल चार्ज पर 400 किलोमीटर से अधिक की रेंज दे सकती है।

भारत की आर्थिक गतिविधि जून में 61.0 के साथ 14 महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

जून माह में भारतीय आर्थिक गतिविधि 14 महीने के उच्चतम स्तर पर हैं। कंपनियों ने नए व्यवसाय के तेजी से बढ़ने और निर्यात ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि के जवाब में उत्पादन बढ़ाया एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के संयुक्त उत्पादन में मासिक आधार पर परिवर्तन को मापता है। इंडेक्स जून में 61.0 के साथ 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। मई में 59.3 से बढ़कर, लेटेस्ट रीडिंग विस्तार की तेज दर के अनुरूप थी, जो लंबी अवधि की सीरीज के औसत से काफी ऊपर थी। निर्माताओं ने व्यावसायिक गतिविधि में उछाल का नेतृत्व किया, हालांकि सेवा अर्थव्यवस्था में भी विकास ने गति पकड़ी। वृद्धि की दरें दो और दस महीने के उच्चतम स्तर पर थीं। पेंडिंग वर्कलोड बढ़ने के साथ, फर्म भर्ती मोड में रही। इस बीच एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इनपुट लागत में दस महीनों में सबसे धीमी गति से वृद्धि होने से मुद्रास्फीति में नरमी आई। पैनलिस्टों के मुताबिक अनुकूल मांग प्रवृत्तियों, दक्षता लाभ और तकनीकी निवेश से उत्पादन में वृद्धि हुई। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई मई में 57.6 से बढ़कर जून में 58.4 हो गया, जो अप्रैल 2024 के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे बेहतर सुधार का संकेत है। पहली वित्तीय तिमाही के अंत में वस्तु उत्पादकों और सेवा प्रदाताओं के साथ नए व्यवसाय में वृद्धि हुई, जिसमें पूर्व में तेजी से उछाल आया। रिपोर्ट में कहा गया है कि समग्र स्तर पर विस्तार की दर जुलाई 2024 के बाद से सबसे मजबूत देखी गई। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत के फ्लैश पीएमआई ने जून में मजबूत वृद्धि का संकेत दिया। नए निर्यात ऑर्डर निजी क्षेत्र, खासकर विनिर्माण क्षेत्र की व्यावसायिक गतिविधि को बढ़ावा देते रहे।

लांचिग से पूर्व नथिंग फोन 3 की लीक हुई विशेषताएं

नईदिल्ली। आधिकारिक लॉन्चिंग से पहले ही नथिंग फोन 3 के प्रमुख फीचर्स लीक हो गए हैं। कंपनी ने खुद फोन के रीडिज़ाइन्ड ग्लिफ मैट्रिक्स और स्नैपड्रैगन 8एस जेन 4 प्रोसेसर की पुष्टि कर दी है। अब एक नई रिपोर्ट में इसकी डिस्प्ले, कैमरा और बैटरी से जुड़ी जानकारियां सामने आई हैं। लीक के मुताबिक, नथिंग फोन 3 में 6.7-इंच का 1.5के एलटीपीओ ओलेड डिस्प्ले मिलेगा, जो पहले से अधिक शार्प और स्मूद अनुभव देगा। यह स्मार्टफोन एंड्रायड 15 आधारित नथिंग ओएस 3.5 पर चलेगा और कंपनी इसे पांच साल तक ओएस अपडेट तथा सात साल तक सिक्योरिटी पैच देती रहेगी।

27 जून को 7 दिनों की अवधि वाली वीआरआरआर की नीलामी करेगा आरबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) शुक्रवार यानी 27 जून को 7 दिनों की अवधि वाली वेरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) की नीलामी करेगी। इसका उद्देश्य बैंकिंग सिस्टम में मौजूद अतिरिक्त नकदी को बाहर निकालना है। मौजूदा समय में वेटेड एवरेज कॉल रेट पॉलिसी रीपो रेट से नीचे है, जो नकदी अधिशेष का संकेत देता है।

आरबीआई ने कहा कि वर्तमान और संभावित तरलता स्थितियों की समीक्षा के बाद यह फैसला किया गया है कि 27 जून को वीआरआरआर नीलामी की जाएगी। इसके साथ ही आरबीआई ने साफ किया कि 27 जून को 14 दिनों की मुख्य रिवर्स रीपो नीलामी नहीं की जाएगी। यह फैसला आने वाले पखवाड़े की नकदी स्थितियों को ध्यान में रखते हुए लिया है। पिछले दो हफ्तों में बैंकिंग सिस्टम में औसतन 2.5 लाख करोड़ की अतिरिक्त नकदी रखी है, जिसे आरबीआई हर दिन अलग-अलग माध्यमों से सिस्टम से बाहर करता रहा है।

आरबीआई के लिक्विडिटी फ्रेमवर्क के मुताबिक अगर किसी ऑपरेशन की अवधि 14 दिन या उससे ज्यादा होती है, तो उसे मुख्य ऑपरेशन कहा जाता है। वहीं 14 दिन से कम अवधि वाले ऑपरेशन को फाइन ट्यूनिंग ऑपरेशन माना जाता है। जानकारों का कहना है कि आरबीआई की ओर से वेरिएबल रिवर्स रीपो रेट नीलामी कराना उम्मीद के मुताबिक ही था। ऐसा इसलिए किया क्योंकि टैक्स भुगतान के बावजूद बैंकिंग सिस्टम में लगातार तरलता बनी है।

न्यूज इन शॉर्ट

पुराने जर्जर शालाओ को जीर्ण शीर्ण घोषित करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले में अत्यधिक जर्जर तथा पुराने भवन जिन्हे गिराया जा कर इनके स्थान पर अतिरिक्त कक्ष नवीन शाला भवन बनाया जाना प्रस्तावित है, को 15 दिवस के भीतर जीर्ण शीर्ण घोषित करने की कार्यवाही पूरी करने के निर्देश कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग को दिए है। आपने आदेश में कहा है कि वर्षाकाल में जर्जर जीर्ण-शीर्ण भवनो के गिरने की आंशका बढ जाती है इससे बचने के लिए आवश्यक है कि उन भवनो को डिस्मेंटल करने की कार्यवाही की जाए।

पानी आप बचाओं, पानी आपको बचाएगा

शहडोल। पानी आप बचाओ, पानी आपको बचाएगा सरकार और समाज दोनों को मिलकर जल के महत्व को समझना चाहिए और इसे बचाने के लिए जागरूकता फैलानी चाहिए। जल जीवन का अभिन्न अंग है, और इसके बिना न तो कृषि संभव है, न ही उद्योग, और न ही हमारी दैनिक आवश्यकताएँ पूरी हो सकती हैं। जल का संरक्षण करना हम सभी का कर्तव्य है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहडोल जिले में 30 जून 2025 तक जल को सहेजने, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिले के समस्त जनपद पंचायत के ग्राम पंचायतो एवं नगरीय निकायों में जल गंगा संवर्धन अभियान में लोगों ने उत्साह एवं उमंग के साथ जल का महत्व समझते हुए श्रमदान कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं और जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संदेश दे रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गोहपारू जनपद पंचायत ग्राम पंचायत बरमनिया सहित अन्य ग्राम पंचायतो में नवीन खेत तालाब निर्माण के कार्य किए गए।

जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह 26 जून को

शहडोल। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग शहडोल ने जानकारी दी है कि भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गायों हेतु जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह कामधेनू भवन परिसर शहडोल में 26 जून 2025 को दोपहर 3:00 बजे से आयोजित किया जाएगा।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 26 जून को

शहडोल। आगामी दिनो में 27 जून को भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा एवं 06 जुलाई को मोहर्रम त्योहार मनाया जना है। त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए जिले में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु 26 जून 2025 को प्रातः 11:30 बजे से जिला स्तरीय शान्ति समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में सांसद, विधायक सहित समिति के अन्य सदस्यों तथा संबंधित अधिकारियों से उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।

जिले में 34.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

शहडोल। अधीक्षक भू-अभिलेख शहडोल ने जानकारी दी है 24 जून को जिले में कुल 34.0 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्षामापी केन्द्र सोहागपुर में 57.00 मिमी., बुढ़ार में 44.0 मिमी., गोहपारू में 6.0 मि.मी., जैतपुर में 86.0 मिमी, चन्नौड़ी में 38.0 मिमी., ब्यौहारी में 0.0 मिमी, जयसिंहनगर में 7.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

जिले में 01 जून 2025 से अब तक वर्षामापी केन्द्र सोहागपुर में 100.0 मिमी., बुढ़ार में 74.0 मिमी., गोहपारू में 64.0 मि.मी., जैतपुर में 196.0 मिमी, चन्नौड़ी में 182.0 मिमी., ब्यौहारी में 96.0 मिमी, जयसिंहनगर में 71.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस प्रकार जिले में अब तक औसत वर्षा 111.9 मिमी. दर्ज की गई है। गत वर्ष इसी अवधि में जिले में 69.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

बारिश के बाद बढ़ी सब्जियों की कीमतें, रसोई का बजट बिगड़ा

जिले में टमाटर 40 रुपये किलो, अन्य सब्जियों के दाम भी आसमान पर

विजय मत, शहडोल

शहडोल में हाल ही में हुई झमाझम बारिश ने भले ही लोगों को गर्मी से राहत दी हो, लेकिन सब्जियों के बढ़ते दामों ने आमजन की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। शहडोल जिले में सब्जियों के थोक व फुटकर बाजारों में लगातार कीमतों में इजाफा हो रहा है। खासकर टमाटर, भिंडी, प्याज, शिमला मिर्च जैसी आवश्यक सब्जियों के दाम आम लोगों की पहुंच से बाहर होते जा रहे हैं।

40 रुपए किलो पहुंचा टमाटर, भिंडी-प्याज भी महंगी

शहर के विभिन्न बाजारों में टमाटर 35 से 40 रुपये प्रति किलो बिक रहा है, जबकि भिंडी 50 रुपये और प्याज 30 से 35 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। शिमला मिर्च की कीमतें भी 80 रुपये किलो के आसपास बताई जा रही हैं। रसोई संभाल रही गृहिणियों के अनुसार, सब्जियों के इन दामों ने बजट बिगाड़ दिया है।

सब्जी कीमत

सब्जी	अब	पहले
आलू	30	25
प्याज	25	15
टमाटर	40	20
बैंगन	40	15-20
भिंडी	30	40
करेला	30	20
धनिया	80	30-40
गोभी	60	40
अदरक	60	25-30

(नोट-दाम रुपए प्रति किलो में)

राशन, बिजली और स्कूल खर्च ने बढ़ाई परेशानी

शहडोल की निवासी सुनीता मरकाम बताती हैं कि हमारा हर महीने का बजट पहले से तय होता है। राशन के दाम बढ़े हैं, बिजली बिल भी ज्यादा आ रहा है। अब सब्जियां भी महंगी हो गईं, ऐसे में बच्चों की स्कूल फीस, ड्रेस और किताबों का खर्च निकालना बहुत मुश्किल हो गया है। अन्य महिलाओं ने भी महंगाई को लेकर नाराजगी जताई।

आवक कम, मौसम असरदार

स्थानीय सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि जिले में अधिकांश सब्जियां पास के गांवों और बाहर के शहरों से आती हैं। बारिश और मौसम परिवर्तन के चलते सब्जियों की आवक कम हुई है, जिससे दामों में तेजी आई है। विक्रेताओं के अनुसार, जुलाई से सितंबर तक कीमतों में और वृद्धि हो सकती है। राहत की उम्मीद केवल नवंबर-दिसंबर में ही की जा रही है, जब फसलें अच्छी मात्रा में बाजार में आएंगी।

निगरानी की जरूरत

जिले के उपभोक्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि सब्जी बाजार पर निगरानी बढ़ाई जाए और जमाखोरी पर रोक लगाई जाए, ताकि आमजन को कुछ राहत मिल सके। जिससे लोगों को समस्या का सामना न करना पड़े।

देर रात अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को कुचला

विजय मत, शहडोल

जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में बीती रात करीब 1 बजे हुए सड़क हादसे में जीजा और साले की मौत हो गई। किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा भैंसहा तिराहे के पास हुआ। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

पुलिस के अनुसार दोनों मृतक विजहा और सेमरा गांव के निवासी थे, वे किसी काम से विजहा से सेमरा जा रहे थे। इस दौरान भैंसहा तिराहे के पास उनकी बाइक को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, हादसे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि दोनों शव सड़क पर पड़े थे और पास में ही एक क्षतिग्रस्त बाइक भी पड़ी थी। जिन्हें देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर जयसिंहनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों की शिनाख्त कर परिजनों को सूचित किया।

पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। वहीं, पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी हुई है। आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि वाहन की पहचान की जा सके। थाना प्रभारी अजय बैगा ने बताया कि, मामले में मर्ग कायम किया गया है। अज्ञात वाहन की तलाश के लिए पुलिस टीम रवाना कर दी गई है। जल्द ही वाहन और चालक का पता लगा लिया जाएगा।

जल स्त्रोतो से दूर रहने की कलेक्टर ने की अपील

शहडोल। वर्षाकाल प्रारंभ हो गया है। जिले में विभिन्न क्षेत्रो में बारिश भी दर्ज की जा रही है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिलावासियों से अपील की है कि वर्षाकाल में जल भराव वाले क्षेत्रो की जानकारी रखें तथा जल भराव होने पर सतर्कता बरते तथा दूर रहें। आपने अपील की है कि नदी, नालो एवं जल स्त्रोतो में जल का स्तर बढ़ रहा है। जान माल की सुरक्षा हेतु जरूरी है कि लोग एहतियात बरते, जल स्त्रोतो के आसपास जाने से बचे, खासतौर पर बच्चों को जल स्त्रोतो के पास नही जाने दें। पुल पुलियों में खतरे के निशान से ऊपर पानी आने पर न तो स्वयं और न ही वाहनों को पार कराएं। बाढ़ आपदा की स्थिति होने पर संबधित थानो, तहसील कार्यालय, जनपद कार्यालय तथा एसडीएम कार्यालय को सूचित करें। ऐसे क्षेत्रों की लगातार निगरानी करते रहें।

बाटली घाट में खनिज विभाग ने की कार्यवाही किया वाहन जप्त

विजय मत, शहडोल

खनिजों के अवैध उत्खनन,परिवहन तथा भण्डारण पर प्रभावी रोकथाम हेतु मध्यप्रदेश शासन खनिज साधन विभाग से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर शहडोल के निर्देशानुसार खनिज विभाग शहडोल द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन,अवैध परिवहन तथा अवैध भण्डारण के विरूद्ध सतत् रूप से कार्यवाहियों की जा रही है।इसी तारतम्य में प्राप्त शिकायत के आधार पर तथा कलेक्ट के निर्देशानुसार मंगलवार की मध्यरात्रि को ग्राम पंचायत जरवाही के बटली घाट (सोन नदी) क्षेत्र अन्तर्गत खनिज रेत का अवैध परिवहन में संलिप्त 01 वाहन बिना नंबर मेटाडोर को खनिज विभाग द्वारा जप्त किया गया।

उक्त संलिप्त वाहन को जप्त कर शासकीय अभिरक्षा में संबंधित थाना प्रभारी, थाना बुढार की सुपुर्दगी में दिया गया। उक्त वाहन के विरूद्ध म0प्र0 खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के तहत् प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर न्यायालय प्रेषित किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही प्र.खनि निरीक्षक एवं खनिज अमले द्वारा की गई।

शहडोल से मुंबई के लिए सीधी ट्रेन सेवा प्रारंभ की जाए

रेल समस्याओं के समाधान हेतु रोटरी क्लब विराट ने सौंपा ज्ञापन

विजय मत, शहडोल

शहडोल क्षेत्र में रेल सुविधाओं की उपेक्षा और नागरिक असुविधाओं को दूर करने की मांग को लेकर रोटरी क्लब विराट शहडोल के प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को शहडोल रेलवे स्टेशन में स्टेशन मास्टर को भारत सरकार के रेल मंत्री, स्थानीय सांसद तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) के महाप्रबंधक के नाम एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा।

यह ज्ञापन शहडोल संभाग द्वारा एसईसीआर को लगातार दिए जा रहे उच्च राजस्व योगदान के बावजूद क्षेत्र में आवश्यक सुविधाओं की कमी पर चिंता जताते हुए तैयार किया गया। क्लब ने स्पष्ट रूप से मांग की है कि शहडोल को पुनः जबलपुर जोन में सम्मिलित किया जाए, ताकि रेल सेवाओं के विस्तार में क्षेत्र की न्यायोचित भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

प्रमुख रोटरी सदस्य रहे प्रतिनिधिमंडल में शामिल

ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में क्लब अध्यक्ष रो. सुशील खोडियार, सचिव रो. सी.एम. मेहानी, कोषाध्यक्ष रो. जयसुख चावड़ा, एवं वरिष्ठ सदस्य रो. दीपक गौतम, रो. अशोक शराफ, रो. महेंद्र शराफ, रो. प्रकाश ओचानी, रो. देवेंद्र थारवानी, रो. सतनाम सिंह मान, रो. रमीत सिंह, रो. शेखर ढांड, रो. जसवीर सिंह एवं रो. लखन बुचवानी सम्मिलित थे।

ज्ञापन की 7 प्रमुख मांगे-

ज्ञापन में शहडोल क्षेत्र की रेल सेवाओं को सशक्त करने हेतु निम्नलिखित सात बिंदुओं को शामिल किया गया।

1. शहडोल में वाशिंग पिट का निर्माण, जिससे ट्रेनों की शुरुआत यहीं से हो सके।
2. शहडोल से मुंबई के लिए सीधी ट्रेन सेवा प्रारंभ की जाए।
3. भोपाल-बिलासपुर ट्रेन (18235) को एक्सप्रेस बनाकर नागपुर तक विस्तारित किया जाए।
4. नागपुर ट्रेन का विस्तार बल्लारशाह तक किया जाए, जिससे दक्षिण भारत से संपर्क सुलभ हो।
5. वंदे भारत (बिलासपुर-मुंबई) ट्रेन को शहडोल से प्रारंभ किया जाए।
6. शहडोल-जायसिंहनगर-ब्योहारी रेल परियोजना को शीघ्र स्वीकृति मिले।
7. शहडोल-मंडला रेल लाइन को बजट में सम्मिलित कर निर्माण आरंभ हो।

क्षेत्रीय उपेक्षा पर जताई चिंता – ज्ञापन में कहा गया है कि शहडोल, उमरिया और अनूपपुर जैसे क्षेत्र स्थष्टक को उल्लेखनीय राजस्व देते हैं, फिर भी सुविधाओं की भारी कमी है। इससे क्षेत्र में जनाक्रोश पनप रहा है।

सर्पदंश से ग्रसित व्यक्ति को यथाशीघ्र नजदीकी ले जाएं स्वास्थ्य केंद्र

शहडोल। टाइगर रिजर्वों के कोर एवं बफर क्षेत्रों में वन्य जीवों की सुरक्षा एवं जन हानि रोकने संबंधी बैठक कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में उत्तर वन मंडलाधिकारी तरूणा वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगो को वन्य जीवों से बचाव हेतु जागरूकता अभियान चलाए तथा वन्य जीवो के मूवमेंट होने पर ग्रामीणों को जानकारी दी जाए, उन्हें वन्य जीवों के आसपास नही जाने की समझाइश दी जाए। सामान्य तौर पर वन्य जीव टाइगर रिजर्वों के कोर एवं बफर क्षेत्रों में भ्रमण करते है। इस दौरान लोग भयभीत होकर वन्य जीवों के आस पास एकत्र हो जाते है जिससे वन्य जीव आक्रमक हो जाते है। इन परिस्थितियों में दूर से उनके मूवमेंट पर नजर रखने तथा इसकी जानकारी वन विभाग के मैदानी अमले को दी जानी चाहिए। इसी तरह वन क्षेत्रो के कोर एवं बफर एरिया में बहुत से कुऐ ऐसे होते है जिनमें मुडेर अथवा फैसिंग नही होती है, रात के अंधेरे में वन्य जीव इन कुओ में गिर जाते है कई बार उनकी जान भी चली जाती है इसके लिए आवश्यक है कि ऐसे कुओ का चिन्हाकन कर मनरेगा मद से इन कुओ में मुडेर बनाने या फैसिंग करने की कार्यवाही की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि वर्षाकाल आते ही सर्पदंश की घटनाएं बढ जाती है। जन सामान्य को सलाह दी जानी चाहिए कि वे वर्षा ऋतु में विशेष सतर्कता बरतें। झाड़ियों, पुआल के ढेर, लकड़ी के गट्ठर आदि स्थानों में काम करने से पहले वहां डंडे या लाठी से हल्का प्रहार करें। अंधेरे में टॉर्च का उपयोग करें और बच्चों को बिना देखरेख खुले स्थानों पर न भेजें। घर के आसपास साफ-सफाई रखें, झाड़ियाँ काटें और कूड़ा-कचरा हटाएं। घरों की दीवारों में मौजूद दरारें बंद करें और खुले में सोने से परहेज़ करें। यदि किसी को सर्प ने डस लिया हो तो घबराएं नहीं, शरीर को शांत रखें और तुरंत नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुँचें। घाव को चाकू से काटना, चूसना या उस पर कोई रसायन लगाना अत्यंत हानिकारक है। झाड़-फूंक, टोना-टोटका या तांत्रिक क्रियाओं में समय न गंवाएं। यह समय जीवन रक्षक हो सकता है, इसलिए हर क्षण अमूल्य है। सर्पदंश ग्रसित व्यक्ति को यथाशीघ्र नजदीकी अस्पताल ले जाएं। यदि संभव हो तो सांप का रंग, लंबाई या कोई चित्र याद रखें।

तैयारी

वर्षा ऋतु की शुरुआत के साथ किसानों की उम्मीदें बढ़ीं, मृदा परीक्षण केंद्र बंद होने से बढ़ी मुश्किलें

खरीफ की तैयारी शुरू, पर बंद मृदा परीक्षण केंद्र बने किसानो की राह का रोड़ा

विजय मत, शहडोल

मानसून की दस्तक के साथ शहडोल जिले के किसान खरीफ सीजन की तैयारियों में जुट गए हैं। खेतों में हल चलने लगे हैं, बीज व खाद के भंडारण की प्रक्रिया भी तेज हो गई है। परंतु वैज्ञानिक खेती की दिशा में एक अहम कड़ी मृदा परीक्षण केंद्र की बंदी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है।

मिट्टी की जांच के लिए अब भी जिला मुख्यालय का सहारा

शहडोल जिले के विभिन्न ब्लॉकों में करोड़ों रुपये की लागत से मृदा परीक्षण केंद्र तो बनाए गए हैं, लेकिन यह वर्षों से बंद पड़े हैं। संचालन के लिए न तो विभाग के पास प्रशिक्षित अमला है और न ही टेंडर प्राप्त समितियों ने कार्य प्रारंभ किया है। किसान या तो खुद मिट्टी के सैंपल लेकर जिला मुख्यालय पहुंचते हैं या मैदानी अमले को सैंपल सौंपते हैं।

ब्लॉक स्तरीय केंद्रों में ताले, मशीनें धूल फांक रही

सरकार द्वारा सात वर्ष पूर्व खरीदी गई मृदा परीक्षण मशीनें ब्लॉक मुख्यालयों पर यूं ही धूल खा रही हैं। जिन समितियों को संचालन का जिम्मा सौंपा गया जैसे बुढार के लिए प्रखर समाजोत्थान प्रगति समिति, गोहपारू के लिए प्रखर प्रज्ञा शिक्षा प्रसार एवं समाज कल्याण समिति, जयसिंहनगर के लिए एसआरएच फूड इंडस्ट्री, और ब्यौहारी के लिए राधिका एग्रीकल्चर को-ऑपरेटिव सोसायटी अब तक केंद्र शुरू करने की कोई पहल नहीं की है।

वर्षा ऋतु में मृदा परीक्षण की अहमियत

खरीफ की फसलों में धान, मक्का, अरहर और सोयाबीन जैसी फसलें प्रमुख होती हैं, जिनकी उत्पादकता सीधे मिट्टी की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, मृदा परीक्षण से यह तय किया जा सकता है कि किस खेत में किस खाद की कितनी आवश्यकता है। परीक्षण के अभाव में अंधा धुंध उर्वरक डालने से भूमि की उर्वरता प्रभावित होती है और लागत भी बढ़ जाती है।

किसानों की मांग, जल्द शुरू हों केंद्र

किसानों का कहना है कि शासन को ठेका प्राप्त संस्थाओं पर सख्ती करनी चाहिए अथवा वैकल्पिक व्यवस्था के तहत इन केंद्रों को तत्काल चालू करना चाहिए। अन्यथा खरीफ सीजन में संभावित नुकसान के लिए विभाग जिम्मेदार होगा। मानसून की अच्छी शुरुआत हुई है, अब जरूरत है सही तकनीकी मार्गदर्शन की, जिससे किसान अधिक उत्पादन हासिल कर सकें।

अस्पताल से नवजात शिशु की मां को छुट्टी होने से पहले ही जारी करना होगा नवजात शिशु का जन्म प्रमाण पत्र

विजय मत, शहडोल

प्रसव के बाद अस्पताल से माँ की छुट्टी होने से पहले ही नवजात शिशु का जन्म प्रमाण-पत्र जारी हो जाए। मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म मृत्यु) एवं आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी मध्यप्रदेश श्री ऋषि गर्ग ने इस आशय के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। पंजीकरण प्रक्रिया को सुगम और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने के अपने प्रयास में, भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय ने नागरिक पंजीकरण प्रणाली में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 में संशोधन, राज्य जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण नियमों में संगत संशोधन, एक नए केंद्रीय सीआरएस पोर्टल का विकास आदि शामिल हैं। जन्म प्रमाण पत्र के बढ़ते महत्व को देखते हुए, यह समय की मांग है कि यह प्रमाण पत्र नवजात शिशु की मां को अस्पताल से छुट्टी मिलने से पहले ही दे दिया जाए, खासकर सरकारी अस्पतालों द्वारा जहां कुल संस्थागत जन्मों में से 50 प्रतिशत से अधिक होते हैं। जन्म प्रमाण-पत्र अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है। राज्य शासन के आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा अस्पताल में ही नवजात शिशु का जन्म प्रमाण-पत्र बनाने के लिये दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इससे जन साधारण को अपने शिशु का जन्म प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि., प्लॉट नं. 18, इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर म.प्र. से मुद्रित एवं विजय मत भवन, गायत्री मंदिर रोड, वार्ड नं. 13, शहडोल, म.प्र. से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2018/76119, e-mail: vijaymat.sdl@gmail.com